मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 11 जुलाई 2025
संवत 2082, श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 307 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जनसंख्या वृद्धि का अंत वैश्विक चुनौती

बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी चित्रांगदा ◀◀ 6

सांप के डसने से विधायक आलोक चौरसिया के दो नाती समेत तीन की मौत, दो गंभीर

पलामू: जिले के चैनपुर क्षेत्र में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में विधायक आलोक चौरसिया के दो नाती और एक महिला की मौत हो गई। जबकि विधायक आलोक चौरसिया के दामाद और मृतक महिला के पति की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर पथरा और बासडीह गांव की है।

नरसिंहपुर पथरा गांव में विधायक आलोक चौरसिया के भाई भीषम चौरसिया के दामाद प्रेम चौरसिया और उनके दो बेटे अर्जुन कुमार और देव कुमार को गुरुवार देर रात एक जहरीले सांप ने डस लिया। तीनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया।

परिजन तीनों को इलाज के लिए तुंबागड़ा स्थित नवजीवन अस्पताल ले गए। लेकिन रास्ते में ही अर्जुन कुमार और देव कुमार की मौत हो गई। वहीं प्रेम चौरसिया की हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों घर में एक साथ सो रहे थे और इसी दौरान उन्हें सांप ने डस लिया।

विधायक के करीबी ज्ञानधन चौरसिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद सभी लोग घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरा गांव मातम में डूबा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इधर, पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के बासडीह गांव निवासी भिखारी भुइयां और उनकी पत्नी शकुंतला को भी गुरुवार की देर रात जहरीले सांप ने डस लिया। दोनों पति-पत्नी जमीन पर सो रहे थे, तभी सांप ने उन्हें डस लिया। दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज के दौरान शकुंतला देवी की मौत हो गई। जबकि भिखारी की हालत गंभीर बनी हुई है।

अवैध संबंध के शक में पति ने पत्नी को पत्थर से कूचकर मार डाला

दुमका : जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पांदनपहाड़ी पंचायत अंतर्गत मोहनपुर गांव के पास पति ने अवैध संबंध के शक में पत्नी की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति राजेश सोरेन फरार हो गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाने में रखा है। शुक्रवार की सुबह में शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजेएमसीएच भेजा जाएगा। पुलिस ने फरार आरोपी पति राजेश सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि दंपत्ति अपने किसी रिश्तेदार के घर मोहनपुर गए थे। गुरुवार को दोनों घर पैदल लौट रहे थे। रास्ते में ही दोनों के बीच विवाद हुआ और आवेश में आकर पति ने पत्नी की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। दंपति का घर काठीकुंड के बिछियापहाड़ी गांव में है। मृतका का मायका पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा के जामकेन्द्र में है।

थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार ने बताया कि युवक राजेश सोरेन साइको किस्म का है। उसे गिरफ्तार किया गया है। उसे पत्नी पर दूसरे युवक के साथ संबंध होने का शक हो गया था। शव को कब्जे में कर लिया गया है। युवक के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ददई दुबे का निधन

रांची एयरपोर्ट पहुंचा पार्थिव शरीर, नम आंखों से कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची: झारखंड की राजनीति को मजदूर आंदोलनों से जोड़ने वाला एक बड़ा नाम आज खामोश हो गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री चंद्रशेखर उर्फ ददई दुबे अब इस दुनिया में नहीं रहे। गुरुवार शाम दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर एयर एंबुलेंस से रांची लाया गया। एयरपोर्ट पर भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, मजदूर संगठन के प्रतिनिधि और आम लोग मौजूद रहे।

एयरपोर्ट का वातावरण पूरी तरह गमगीन था। जैसे ही शव वाहन एयरपोर्ट परिसर से बाहर निकला, लोगों की आंखें नम हो गईं। ददई बाबू अमर रहें और श्रमिकों की आवाज को सलाम जैसे नारों से माहौल भावुक हो उठा। कांग्रेस के कई नेता और पूर्व विधायक, सांसद भी एयरपोर्ट पहुंचे और पार्थिव शरीर पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

पलामू जिले के विश्रामपुर विधानसभा से छह बार विधायक रहे ददई दुबे ने कभी राजनीति को सत्ता की कुर्सी नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। वे धनबाद से सांसद भी रहे और झारखंड सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारियां भी संभालीं। लेकिन उनकी असली पहचान थी–एक मजदूर नेता की, जो हमेशा मजदूरों की आवाज बनकर खड़ा रहा। वे इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे और पूरे देश में मजदूर अधिकारों की आवाज बुलंद करते रहे। चाहे कोल माइंस हो या सरकारी संस्थान, जब-जब श्रमिकों पर संकट आया, ददई दुबे सबसे आगे खड़े नजर आए। यही वजह है कि आज उनके निधन पर न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि तमाम दलों के नेता और मजदूर संगठन भी शोक व्यक्त कर रहे हैं।

आज उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस भवन, रांची ले जाया गया, जहां श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इसके बाद शव वाहन उन्हें उनके पैतृक जिले गढ़वा के लिए रवाना हुआ, जहां शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कांग्रेस पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि ददई दुबे का जाना सिर्फ एक अपूरणीय क्षति है। वह मजदूरों के मसीहा थे। आज बोकारो, धनबाद ने अपना अभिभावक खो दिया। सच कहें तो झारखंड ने अपना अभिभावक खो दिया।

मुख्यमंत्री ने जताया दुख, कहा-

वह लोगों के हक-अधिकार के लिए हमेशा आवाज उठाते रहे

रांची: झारखंड कांग्रेस के पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। वहीं, ददई दुबे के निधन पर सीएम हेमंत ने दुख जताया है।

सीएम हेमंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, झारखण्ड सरकार में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री चंद्रशेखर दुबे (ददई दुबे) जी के निधन का दुखद समाचार मिला। लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहते हुए स्व ददई दुबे जी लोगों के हक-अधिकार के लिए हमेशा आवाज उठाते रहे। उनका निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

सावन के पहले दिन बाबा धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, दूर-दूर से देवघर पहुंच रहे भक्त

देवघर: आज से सावन शुरू हो गया है। सावन के पहले दिन देवघर के बाबा धाम मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जल अर्पण करने के लिए कतार में लगे रहे। सावन के पहले दिन दिल्ली, मुंबई, नासिक, गोवा, उत्तर प्रदेश और बिहार से भी कई श्रद्धालु देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे हैं। पुजारियों के अनुसार, सबसे पहले पुजारी और पंडाओं द्वारा भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा की गई और जलाभिषेक किया गया। इसके बाद सुबह 4:00 बजे मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। तब से ही श्रद्धालु बैद्यनाथ धाम स्थित मनोकामना लिंग पर जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। रात 8:00 बजे तक आम श्रद्धालु जलाभिषेक कर सकेंगे और उसके बाद भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग का श्रृंगार पूजन किया जाएगा। बाबा मंदिर आए श्रद्धालुओं ने बताया कि पहले दिन को देखते हुए व्यवस्था अच्छी है। भीड़ के कारण थोड़ी परेशानी हो रही है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा मंदिर के आसपास की गई पुख्ता व्यवस्था लोगों की परेशानी कम कर रही है। श्रावणी मेला शुरू होते ही मंदिर में अर्घा प्रणाली के माध्यम से जलाभिषेक किया जा रहा है। यह व्यवस्था पहले दिन से ही शुरू कर दी गई है। चूंकि श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए स्पर्श दर्शन संभव नहीं है, इसलिए अर्घा प्रणाली के माध्यम से जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिर में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। देवघर के श्रीराम झा चौक से लेकर मंदिर परिसर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। मंदिर के पुजारियों और छोटे व्यापारियों ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल श्रद्धालुओं की भीड़ काफी ज्यादा रहने की उम्मीद है। पहले दिन की भीड़ को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि शाम तक लगभग एक लाख श्रद्धालु जलाभिषेक कर सकेंगे।

आज से सावन शुरू, सीएम हेमंत ने राज्यवासियों को दी बधाई

रांची: श्रावण मास की शुरूआत आज से हो गई है, यह 9 अगस्त तक चलेगा। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में शुक्रवार को श्रद्धालुओं और कांवरियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के सुबह 3 बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद कांचा जल स्नान और पारंपरिक सरदारी पूजा विधि से भगवान शिव की पूजा की गई। पूजा के बाद अरघा से जल अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू हुई। वहीं, सीएम हेमंत ने राज वासियों को श्रावण मास की बधाई दी है। सीएम हेमंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् उवार्रुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् पवित्र श्रावण मास के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। श्रावण मास के इस पावन अवसर पर आप सभी का बाबा बैद्यनाथ धाम और बाबा बासुकीनाथ धाम की पवित्र भूमि पर हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। महादेव सभी का कल्याण करें। ॐ नमः पार्वती पतये हर हर महादेव! जय बाबा बैद्यनाथ! जय बाबा बासुकीनाथ!

बलूचिस्तान में बड़ा टेरर अटैक

बस से उतारकर 9 यात्रियों को मारी गोली, मचा हड़कंप

नई दिल्ली: पाकिस्तान में फिर बड़ा अटैक हुआ है, जिसमें हमलावरों ने 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि हमलावरों ने एक बस को रोका और यात्रियों को उतारकर गोली मार दी थी। बलूचिस्तान के अधिकारी इसे आतंकवादी घटना बता रहे हैं। इस साल मार्च में ही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक कर लिया था।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कम से कम 9 लोगों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि क्वेटा से लाहौर जाने वाली बस में सवार यात्रियों को उतारकर अगवा किया और गोली मार दी। घटना उत्तरी बलूचिस्तान के पास झोब शहर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने बस को रोका, यात्रियों को उतारा और चुनकर पहचान कर 9 लोगों की हत्या कर दी। झोब पुलिस उपायुक्त नावेद आलम ने कहा कि यात्रियों को वाहनों से अगवा करने के बाद उन्हें गोली मारी गई थी। उन्होंने कहा कि शवों को बलूचिस्तान के बारखान जिले के रेखनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की निंदा की और उसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा, ह्यआतंकवादियों ने यात्रियों को बस से उतारा, पहचान की और बेरहमी से 9 मासूम पाकिस्तानियों की हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फिलहाल, उनकी तलाश जारी है। मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इसे खुला आतंकवाद बताया और तार फित्ना ए हिन्दुस्तान से जोड़े। बुगती का कहना है कि हमलावरों ने जानबूझकर पाकिस्तानी पहचान के कारण मासूम नागरिकों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपना डरपोक रवैया दिखाया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल,कहा-

एक फोटो दिखाएं जिसमें भारत का नुकसान नजर आए, हमने 9 आतंकी ठिकाने उड़ाए

चेन्नई: आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। इसके साथ ही अजित डोभाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं चूका।

विदेशी मीडिया पर बरसे डोभाल: एनएसए डोभाल ने कहा कि विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया। आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो। उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गईं सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे: एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी।।। हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए जिसमें भारत की तरफ से हुआ कोई नुकसान दिखाई दे रहा हो।

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटग्रस्त, लहूलुहान और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए उन्होंने कितने अपमान, अभाव और कष्ट सहे होंगे। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत, एक राष्ट्र के रूप में सहस्त्राब्दियों से अस्तित्व में है। अब से 22 साल बाद जब हम अपनी आजादी के 100 साल पूरे कर रहे होंगे, तब आप अपने करियर के शीर्ष पर होंगे।

यह था ऑपरेशन सिंदूर: दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ। इस हमले में 26 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई। उनकी हत्या करने से पहले उनकी धार्मिक पहचान की गई। इन मृतकों में अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इसके बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। यही नहीं, पाकिस्तानी सेना के नौ एयरबेस भी ध्वस्त हो गए। हालांकि, बाद में पाकिस्तान सरकार का एक डोजियर लीक भी लीक हुआ, जिसमें यह खुलासा हुआ कि भारतीय सशस्त्र बलों ने इससे भी ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया था। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी।

न्यूज IN ब्रीफ

लगातार बारिश से जल जमाव, परेशानी

मुरी : लगातार हो रही बारिश के कारण जगह- जगह सड़क और मुहल्ले में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आने जाने वाले रास्ते में जल जमाव की स्थिति बन गयी है। लोगों को घुटनों तक पानी में घूस कर पार करना पड़ता है। निकासी नहीं होने से पानी एक ही जगह पर स्थिर हो गया है।

भारी बारिश से सब्जी को नुकसान

मुरी : सिल्ली बंता हजाम में अत्यधिक बारिश से सब्जी का नुकसान हुआ है। हजाम के किसान बता रहे हैं कि खेत में लगी बोदी की फसल पानी से सड़ गया। बाजार में सब्जी की कीमत भी बढ़ गया है। धान के किसान इस बारिश से खुश हैं धान के बीहिन कहीं कहीं नहीं होने पर देरी से धान बुआई चल रहा है। खेतों को ठीक किया जा रहा है।

दो कोलवाहनों की आपस में टक्कर,वाहन क्षतिग्रस्त,चालक सुरक्षित

गिद्धौर (चतरा) : प्रखंड मुख्यालय के रामनवमी मेला टांड़ समीप तीखे मोड में दो हाइवा वाहन आपस में भीड़ गए। घटना में दोनों हाइवा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना गुरुवार के अहले सुबह की है। घटना से चतरा हजारीबाग मुख्य सड़क जाम हो गया।कोयला लदा हाइवा वाहन का चालक मौके से फरार हो गया।वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम पहुंची और जेसीबी मशीन की मदद से मुख्य सड़क से कोल वाहन को हटाया गया। इसके बाद वाहनों का परिचालन शुरू हुआ। बताया गया कि कोल वाहन कटकमसांडी से कोयला डंप कर वापस आ रहा था। जबकि दूसरा वाहन चट्टी बारीयातु से कोयला लोड कर कटकमसांडी डंप करने जा रहा था।इसी बीच रामनवमी मेलाटांड़ समीप तीखे मोड पर विपरीत दिशा से आ रही कोलवाहन में टक्कर मार दिया। जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक बाल बाल बच गए।

अबुआ आवास योजना के अंतर्गत पूर्ण आवासों का भव्य गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न

चतरा : जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निर्मित पूर्ण आवासों का गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा द्वारा फीता काटकर विधिवत रूप से लाभुकों को उनके नए घरों में प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को सम्मानपूर्वक आवासीय सुविधा प्रदान कर जीवन स्तर में सुधार लाना है।

गृह प्रवेश समारोह में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला समन्वयक (आवास योजना), प्रखंड विकास पदाधिकारी, सुनील प्रकाश, प्रखंड समन्वयक, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि अबुआ आवास योजना सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जो हर गरीब परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। लाभुकों को समयबद्ध और गुणवत्ता युक्त आवास सुनिश्चित कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाकी अपूर्ण आवासों को यथाशीघ्र पूर्ण कर गृह प्रवेश सुनिश्चित कराया जाए।नए घर में प्रवेश पाकर लाभुकों के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक देखने को मिली। उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उन्हें सम्मानपूर्वक रहने के लिए पक्का घर मिला है, जो उनके सपनों के साकार होने जैसा है।

गुरु और शिष्य एक दूसरे के पूरक

चतराः स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय दीभा, चतरा में गुरुवार को महर्षि वेदव्यास जयंती सह गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन विद्यालय के विशाल वंदना सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन प्राचार्य रमेश कुमार सिंह व हिंदी के वरीय आचार्य चंद्रमोहन मिश्रा ने महर्षि वेदव्यास के स्मृति चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य रमेश कुमार सिंह ने कहा कि गुरु मोमबत्ती की तरह होते हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में प्रकाश लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में कोई न कोई गुरु होता है। जो उसे सही दिशा देने का काम करता है। बच्चों के उज्जवल जीवन रूपी पतंग की डोर गुरु के ही हाथों में होता है, जो उसे सही दिशा देने का काम करता है। वहीं आचार्य चंद्रमोहन मिश्रा ने बताया गुरु और शिष्य दोनों एक दूसरे के ही पूरक होते हैं। जिस प्रकार गुरु के बिना शिष्य अधूरा है।उसी प्रकार शिष्य के बिना गुरु अधूरे होते हैं।उन्होंने समर्पण के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिस तरह अन्न में प्रार्थना का महत्व है। उसी प्रकार धन में दान का महत्व है। कमाई का दसवां हिस्सा तो हर इंसान को दान और मदद स्वरूप करना चाहिए। इससे आदमी के ग्रह सितारे भी मजबूत होते हैं और भविष्य में अच्छे प्रतिफल देते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि आज के दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों की शक्ति बराबर हो जाती है।

रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वेदव्यास जयंती

चतरा : स्थानीय मुख्यालय क्षेत्र रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर चतरा में गुरुवार को महर्षि वेदव्यास जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। तत्पश्चात विद्यालय के भैया बहनों द्वारा आचार्य आचार्या को चरण पखार आशीर्वाद लिया तत्पश्चात विद्यालय के आचार्य पंकज कुमार यादव ने महर्षि वेदव्यास की जीवनी पर प्रकाश डालें एवं उनके विभिन्न नाम कृष्ण दोपायन वेदव्यास जैसे नाम को विस्तार से बच्चों के समक्ष प्रस्तुत किया । तत्पश्चात विद्यालय के भैया बहनों ने संगीत चुटकुला एवं भाषण प्रस्तुत किया वहीं विद्यालय के भैया बहनों ने गुरु शिष्य संबंध पर नाटक प्रस्तुत किया। विद्यालय के आचार्य सतीश चंद्र ने गुरु शब्द का विस्तृत अर्थ बताया।

रांची में गृहमंत्री अमित शाह की गोपनीय रणनीति बैठक, बीजेपी नेताओं को दिए बड़े टास्क

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में शामिल होने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण और गोपनीय बैठक की। दिल्ली रवाना होने से पहले हुई इस बैठक में संगठनात्मक रणनीति, आगामी चुनावी तैयारियों और राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व सीएम चंपई सोरेन मौजूद थे। बैठक पूरी तरह से गोपनीय रखी गई, लेकिन

सूत्रों के अनुसार इसमें झारखंड और बिहार की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की गई। साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड बीजेपी नेताओं की संभावित भूमिका पर भी मंथन हुआ।

गृहमंत्री शाह ने नेताओं को प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नीतिगत मुद्दों पर एकजुटता बनाए रखने, केंद्र की योजनाओं की निगरानी करने, और जनता से संवाद बढ़ाने पर जोर दिया। अमित शाह ने कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी के कार्यक्रमों को सक्रिय करने और जनता की समस्याएं जानकर उनके समाधान की दिशा में काम करने को कहा।

बुधवार देर शाम रांची पहुंचे अमित शाह का स्वागत बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, रविंद्र राय और आदित्य साहू सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने किया। यह दौरा और बैठक आगामी राजनीतिक घटनाक्रमों की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बाइक दुर्घटना में तीन घायल

गिद्धौर (चतरा): रमटुंडा पुल पर बाइक दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए।जबकि एक को हल्की चोट लगी है।घायल युवक गांगपुर गांव निवासी दिलीप दास,उमेश राणा तथा लेखो साव है।राहगीरों के तत्परता से घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।उमेश राणा को पैर,हांथ तथा लेखों साव को भी हांथ में चोट लगी है।जबकि दिलीप दास को हल्की चोट लगी है।बताया गया तीनों युवक एक ही बाइक से चतरा वन विभाग से वापस घर गांगपुर गांव आ रहे थे। इसी दौरान रमटुंडा पुल पर बने गढ़े में पानी भरे होने से बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और बाइक पर सवार तीनों जख्मी हो गए।

परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही की बैंकिंग प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक संचालित हो रहे वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान पर विशेष चर्चा की गई। इस अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित बिंदुओं को प्राथमिकता दी गई यथा जनधन खातों का री केवाईसी, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, साइबर सुरक्षा जागरूकता पर

बैठक में जानकारी दी गई। अभियान के सफल संचालन हेतु बैंक शाखा-वार पंचायतों का आवंटन किया गया है। यह सूची सभी संबंधित बैंक शाखाओं, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी को प्रेषित कर दी गई है ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं का सुगठित एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

उप विकास आयुक्त ने बैठक के दौरान कहा कि वित्तीय समावेशन सरकार की प्राथमिकता है। सभी बैंक शाखाएं एवं बीसी एजेंट ग्राम पंचायत स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत कुछ बैंकों की शून्य प्रगति पर असंतोष प्रकट करते हुए शीघ्र लक्ष्य पूर्ति के लिए ठोस रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, वार्षिक ऋण योजना के तहत अन्य प्राथमिकता क्षेत्रों में प्रगति एवं बाधाओं की भी समीक्षा की गई।

ऋण अनुपात पर चर्चाः बैठक में बताया गया कि जिले का क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात वर्तमान में 31.29% है, जो कि वांछित 40% से काफी कम है। उप विकास आयुक्त ने बैंकिंग अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण वितरण बढ़ाने हेतु एक ठोस कार्ययोजना तैयार करें और जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में क्रेडिट उपलब्धता सुनिश्चित करें। बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार , आरबीआई प्रतिनिधि, नाबार्ड डीडीएम, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक एवं विभागीय प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बीओओ की अवधारणा पर नई कथारा कोकिंग कोल वाशरी के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर

संवाददाता

रांची : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), सीआईएल में निर्माण-स्वामित्व-संचालन (बीओओ) अवधारणा पर आधारित पहली परियोजना, न्यू कथारा कोकिंग कोल वाशरी, के लिए अनुबंध समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किया गया । यह सीसीएल के उस मिशन के अनुरूप है । जिसके तहत कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाना, उच्च-गुणवत्ता वाले स्वदेशी धुले हुए कोकिंग कोल की आपूर्ति करके भारत के ऊर्जा एवं धातुकर्म क्षेत्रों को सहयोग प्रदान करना और आयातित कोकिंग कोल पर देश की निर्भरता कम करना है।

इस अनुबंध पर वाशरी निर्माण विभाग के महाप्रबंधक सुरेश तालंकर और कथारा क्षेत्र, महाप्रबंधक संजय कुमार द्वारा

सीसीएल और जीसीएमपीएल के प्रबंध निदेशक की ओर से 10 जुलाई 2025 को सीसीएल और मेसर्स ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएमपीएल), जो कोयला धुलाई अवसंरचना में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रतिष्ठित फर्म है, के बीच आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एनके.सिंह, सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा और सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित थे।

नई कथारा कोकिंग कोल वाशरी का निर्माण झारखंड के बोकारो जिले के कथारा क्षेत्र में किया जाएगा, जिसकी नियोजित क्षमता 3.00 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) होगी। लगभग 380 करोड़ रुपये मूल्य की यह वाशरी परियोजना, सीसीएल की चल रही आधुनिकीकरण और विस्तार रणनीति का हिस्सा है।

एक बार चालू हो जाने पर, यह सुविधा राख की मात्रा को कम करके और इस्पात निर्माण में उपयोग के लिए इसकी उपयुक्तता को बढ़ाकर, क्षेत्र से उत्पादित कच्चे कोयले की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएगी।

नए सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद ने किया पदभार ग्रहण

संवाददाता

चतरा : सदर अस्पताल में नए सिविल सर्जन के रूप में जगदीश प्रसाद ने पदभार ग्रहण कर लिया। योगदान लेते ही नवपदस्थापित सिविल सर्जन ने कहा कि जल्द होगी अवैध नर्सिंग होम पर कार्यवाई।श्री प्रसाद ने कहा कि ज़िले के स्वास्थ सुविधा को बेहतर बनाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग

होम के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में किसी भी तरह की परेशानी होने पर लोग सीधे उनसे मिलकर अपनी समस्या रख सकते हैं।उनके समस्याओं का समाधान किया जाएगा। दूसरी ओर जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉक्टर ललित रंजन पाठक का स्थानांतरण स्वास्थ्य निदेशालय रांची में उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर किया गया है। इस मौके पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में लिपिक समरेश कुमार, रविंद्र कुमार,राजेश कुमार, सरजू यादव, सुनील गुप्ता, रविंद्र विश्वकर्मा,जिला कार्यक्रम प्रबंधक पोखराज कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया कान्हाचट्टी प्रखंड का किया निरीक्षण

योजनाओं व जन समस्याओं का लिया जायजा

जनता दरबार का आयोजन

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने कान्हाचट्टी प्रखंड का एक दिवसीय निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरूआत बकचुम्बा पंचायत अंतर्गत सेवइयांगढ़ा में जेएसएलपीएस समूह दीदियों द्वारा संचालित मलचिंग कृषि परियोजना एवं बकरी पालन कार्य के अवलोकन से की गई। उपायुक्त ने दीदियों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया।

जनता दरबार में सुनी जन समस्याएं, कुछ का त्वरित निष्पादन

निरीक्षण के उपरांत प्रखंड सह अंचल कार्यालय, कान्हाचट्टी में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें राशन कार्ड, भूमि अतिक्रमण, आपदा सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क व पुल निर्माण आदि विषयों से संबंधित जन समस्याओं को उपायुक्त द्वारा गंभीरता से सुना गया। कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों के लिए संबंधित विभागों को एक सप्ताह के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पंचायत व विद्यालय निरीक्षणः उपायुक्त ने पंचायत भवन, राजपुर का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके उपरांत एकलव्य विद्यालय, कान्हाचट्टी का दौरा किया गया, जहाँ उन्होंने छात्राओं से संवाद कर पठन-पाठन, ड्रेस, खेल मैदान, बिजली आपूर्ति इत्यादि से जुड़ी समस्याएं जानीं। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को समस्याओं के समाधान हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनप्रतिनिधियों से संवाद व सुझावों पर सहमतिः जनता दरबार में उपस्थित मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रखंड प्रमुख इत्यादि जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, स्कूल उच्चीकरण, सड़क, पुल/ पुलिया, चेकडैम निर्माण, सड़क सुरक्षा, एवं पंचायत भवन में नटवर्क सुधार समेत अन्य विषयों पर सुझाव दिए। उपायुक्त ने सभी मांगों पर यथाशीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

किसानों के हित में बांध निर्माण पर चर्चाः प्रखंड क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आमीन से तमासीन नदी के बीच बांध निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि यह परियोजना जल संचयन, सिंचाई सुविधा, मानसून

पर निर्भरता कम करने और कृषि आय में वृद्धि हेतु एक प्रभावशाली पहल होगी। उन्होंने संबंधित विभागों को शीघ्र सर्वेक्षण व तकनीकी परीक्षण प्रारंभ करने का निर्देश दिया।

वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना हेतु स्थल निरीक्षण का निर्देशः मदगड़ा पंचायत भवन के समीप स्थित खाली मैदान को खेल मैदान के रूप में विकसित करने हेतु वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के अंतर्गत प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी को संयुक्त निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

पंचायत भवन में नेटवर्क समस्या पर पहलः मुखिया द्वारा पंचायत भवन परिसर में मोबाइल नेटवर्क की समस्या से अवगत कराने पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया।

आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी पर बलः उपायुक्त ने सीडीपीओ को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें और बच्चों की उपस्थिति के अनुसार पोषाहार का वितरण पारदर्शिता से किया जाए।

मलचिंग कृषि एवं बकरी पालन परियोजना का निरीक्षणः सेवइयां गढ़ा (बकचुम्बा पंचायत) मे झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के माध्यम से संचालित मलचिंग कृषि परियोजना एवं बकरी पालन कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सखी मंडल की दीदियों से संवाद कर उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की तथा परियोजना से जुड़े तकनीकी पक्षों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मलचिंग तकनीक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक उपयोगी एवं टिकाऊ कृषि पद्धति है, जिसे जिले के सभी प्रखंडों में अपनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने बतख पालन, अमरूद की बागवानी एवं पपीता की खेती जैसे अन्य लाभकारी विकल्पों को भी समूहों के समक्ष प्रस्तुत किया, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो सके। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा, मलचिंग खेती एक प्रभावशाली तकनीक है जो मिट्टी की नमी बनाए रखने, खरपतवार नियंत्रण एवं उत्पादकता बढ़ाने में मदद करती है। यह पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी अत्यंत लाभकारी है। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी इसे विस्तार देने के प्रयास किए जाएंगे।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन जनसमस्याओं के समाधान, ग्रामीण विकास और योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।निरीक्षण एवं जनता दरबार के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील प्रकाश, अंचल अधिकारी मनोज गोप, जिले के विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रधान, कार्यपालक अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने निरीक्षण व जनसुनवाई के दौरान विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया एवं उपायुक्त के निर्देशों के आलोक में त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

सावन मास के पहले दिन रांची के पहाड़ी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, प्रशासन अलर्ट

संवाददाता

रांची: सावन मास के पहले दिन राजधानी रांची के शिवालयों में शिव भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। तड़के सुबह से ही रांची के तमाम शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

लेकिन सबसे खास नजारा देखने को मिला ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ पर जल अर्पित कर अपनी भक्ति प्रकट की। इस बार पहाड़ी मंदिर में बेहतर व्यवस्था के कारण भीड़ व्यवस्थित तरीके से मुख्य मंदिर तक पहुंची।

पहाड़ी मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। फूल-मालाओं से सजे मुख्य द्वार से लेकर मंदिर शिखर तक आस्था और सौंदर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भीड़ को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराने के लिए प्रशासन ने इस बार तकनीक का सहारा लिया है। मंदिर के मुख्य द्वार के पास एलईडी स्क्रीन लगाई गई है ताकि लंबी कतारों में न लग पाने वाले श्रद्धालु भी पहाड़ी बाबा के दर्शन दूर से ही कर सकें।

श्रावण मास में पहले दिन की तैयारियों का जायजा लेने रांची सदर के एसडीओ उत्कर्ष कुमार स्वयं पहाड़ी मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर और आस-पास के रास्तों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने बताया कि पहली सोमवारी तक शेष बची सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह मुकम्मल कर लिया जाएगा।

ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। पहाड़ी मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में कहीं अव्यवस्था न हो, इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और लगातार निगरानी की जा रही है।सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन ने कोई कोताही नहीं बरती है। मंदिर परिसर के भीतर और बाहर पुलिस बल और विशेष रूप से महिला जवानों की तैनाती की गई है। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्काउट-गाइड की टीम भी भक्तों की सेवा में जुटी हैं।

शहर के अन्य शिवालयों- चुटिया सुरेश्वर धाम, रातू रोड शिव मंदिर, अपर बाजार शिवालय, कांके रोड स्थित शिवधाम, हरमू मंदिर सहित दर्जनों मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ देखी गई। कई जगहों पर भक्तों ने पूरे परिवार के साथ पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और सावन माह में सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रशासन की तैयारी और श्रद्धालुओं की भक्ति से साफ है कि इस बार का श्रावणी मेला, खासकर रांची के पहाड़ी मंदिर में, पूरी तरह भव्य और अनुशासित तरीके से मनाया जाएगा। आस्था और अनुशासन के इस संगम में रांची एक बार फिर सावन की भक्ति में डूब गई है।

ददई दुबे का निधन मजदूर आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति: सुबोधकांत सहाय

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व बिहार-झारखंड के पूर्व विधायक और मजदूर आंदोलन के अग्रणी नेता रहे ददई दुबे उर्फ चंद्रशेखर दुबे के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री सहाय ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि स्व दुबे ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत एकीकृत बिहार के समय पलामू प्रमंडल से एक मजदूर नेता के रूप में की थी। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा के बलबूते मजदूरों के बीच काफी कम समय में विशिष्ट पहचान स्थापित करने में सफल रहे। वह जीवन पर्यंत मजदूर हितों के संरक्षण के प्रति समर्पित रहे। कांग्रेस पार्टी के मजदूर संगठन इंटक के नेता के तौर पर उन्होंने मजदूरों के राष्ट्रव्यापी आंदोलन का कई अवसरों पर नेतृत्व किया और मजदूरों के हक और अधिकारों को दिलाने में सफल रहे। श्री सहाय ने कहा कि काफी समय तक स्वर्गीय दुबे के साथ

उन्हें भी पार्टी और मजदूर हित में काम करने का अवसर मिला। एक जनप्रतिनिधि के रूप में भी स्वर्गीय दुबे की एक अलग पहचान थी। जनहित के मुद्दों को लेकर विधानसभा में मुखर होकर जनता की आवाज को बुलंद करने की उनकी शैली अद्भुत थी। श्री सहाय ने कहा कि स्वर्गीय दुबे मजदूरों के मसीहा कहे जाते थे। उनके राजनीतिक जीवन का कार्यकाल सदैव जनहित और मजदूर हित के प्रति समर्पित रहा। उनका अकस्मात निधन कांग्रेस पार्टी और मजदूर संगठनों के लिए अपूरणीय क्षति है। श्री सहाय ने दिवंगत की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

डंगरा टोली में हैदराबादी जायका के तीसरे ब्रांच का उद्घाटन

मेट्रो रेज

रांची : खाना और बिरयानी कि बात हो और हैदराबादी बिरयानी का नाम न आए ऐसा नहीं हो सकता। खाने के शौकीन के लिए अच्छी खबर है। हैदरबादी जायका का जलवा पूरे भारत से लेकर विदेश मे हर जगह कायम है। हैदराबाद के मसाले किसी भी व्यंजन के टेस्ट में चार-चांद लगा देते है। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए नए रेस्तरां हैदराबादी जायका पुरुलिया रोड, रिलायंस मार्ट के पास, डंगराटोली चौक रांची का भव्य उद्घाटन झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वेज हो या नॉनवेज

हैदराबादी जब कुछ खास डिश बनाते हैं तो लोग उंगलियां चाटने को मजबूर हो जाते हैं। हैदराबादी जायका के डायरेक्टर शेख साहिल अली ने अपने तीसरे ब्रांच के उद्घाटन पर दस प्रतिशत छूट का ऐलान किया है। शेख साहिल हैदराबादी जायका रेस्टोरेंट्स का दावा है कि ऐसा टेस्ट कहीं और नहीं मिलेगा। आगे बोलते हुए संचालक शेख साहिल अली ने कहा की यहां अरेबियन, मंडी स्पेशल, इंडियन और चाइनीस बिरयानी, शोरमा, तंदूर,अलफहम,टर्किश डिशेज, गिरिल्ड, रेशमी कवाब, टिक्का कवाब, मलाई कवाब, हरयाली कवाब, लेमन टिक्का कवाब, तंदूरी चिकन, मुर्ग मुस्सल्लम, साउथ इंडियन डिशेज और मिठाइयां समेत कई खाद्य पदार्थ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन के मौके पर सभी ग्राहकों को तीन दिन के लिए 10% का डिस्काउंट दी जा रही है। इस मौके पर संचालक शेख साहिल अली,मोहम्मद इस्माइल अंसारी, मुदस्सर नजर, असमत अली, अफजल अली, अफसर अली, इकबाल सबा,नदीम जफर जिलानी,इरफान समेत कई विशिष्ट लोग मौजूद थे।

यज्ञ -अनुष्ठान ईश्वर की कृपा प्राप्ति में सहायक : आरएन सिंह

रांची: यज्ञ अनुष्ठान ईश्वर की कृपा प्राप्ति में काफी सहायक हो सकती है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां व्यक्ति को आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाती हैं। यह नैतिक मूल्यों सत्य, अहिंसा और करुणा को बढ़ावा देती है। उक्त बातें एचईसी आवासीय परिसर के सेक्टर तीन स्थित आवास संख्या बी-277 निवासी धार्मिक-आध्यात्मिक विषयों के ज्ञाता व धर्मपरायण रविंद्र नाथ सिंह (आरएन सिंह) ने अपने संदेश में कही। उन्होंने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां मानसिक शांति देती है। ये गतिविधियां समाज में सकारात्मक माहौल बनाने में मदद करती है। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती हैं। समाज में नैतिकता और आदर्शों को स्थापित करने में भी यह काफी सहायक होती है। यह व्यक्तियों को व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान करती हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक और समृद्ध वातावरण निर्माण होता है, जो समुदायों के विकास में मदद करता है। उन्होंने कहा कि धर्म और आध्यात्म के प्रति आस्था व्यक्ति को आंतरिक शांति और संतुष्टि प्रदान कर सकती है। आस्था व्यक्ति को नैतिक मूल्यों, सत्य, अहिंसा, और करुणा का पालन करने के लिए प्रेरित करती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या 81 to 87-25-26

पत्रांक– 580-W/TRR/Main Line/Loop Line/BKN/2025 दिनांक– 08.07.2025

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 31.07.2025 को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है:– **निविदा संख्या : 81 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर / लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में बीकानेर मंडल के धीरेरा स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 2 का मध्यम स्तर से उच्च स्तर का बनाने एवं 480 मीटर तक बढाने का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 27647236.92 **धरोहर राशि :** Rs. 288200.00 **निविदा संख्या : 82 कार्य का नाम व स्थान :** वरि. मंडल इंजीनियर / पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में बीकानेर मंडल के 40 वे साईड स्टेशनों पर फॉल्ट एनालिसिस रूम (3mx3m साईज के डाईगनोस्टिक पेनल रूम) का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 13704242.29 **धरोहर राशि :** Rs. 218500.00 **निविदा संख्या : 83 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर / लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में बीकानेर मंडल के धीरेरा स्टेशन पर 3 मीटर चौड़ाई के एफओबी का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 25515687.95 **धरोहर राशि :** Rs. 277600.00 **निविदा संख्या : 84 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर / लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में कोलायत – फलोदी खण्ड पर टीटीआर (FS+TWS+WCMSC) -1 in 12 (7 नम्बर) & 1 in 8.5 (23–नम्बर) (लूप लाईन) का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 12612853.28 **धरोहर राशि :** Rs. 213100.00 **निविदा संख्या : 85 कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मंडल इंजीनियर, सूरतगढ़ के क्षेत्राधिकार में सूरतगढ़ स्थित लोको रनिंग रूम में लेट–बाथ की सुविधा सहित 06 नये कमरे व जिम, स्टोर बनाना, उपलब्ध कमरों के दरवाजो की मरम्मत, टाईल्स लगाना, रंगाई–पुताई करने का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 11045239.03 **धरोहर राशि :** Rs. 205200.00 **निविदा संख्या : 86 कार्य का नाम व स्थान :** वरि. मंडल इंजीनियर / पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में सूरतगढ़–लालगढ़ – बीकानेर खण्ड पर टीटीआर (FS+TWS+WCMSC) - 1 in 12 (39 नम्बर) & 1 in 8.5 (35 नम्बर) का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 30417027.22 **धरोहर राशि :** Rs. 302100.00 **निविदा संख्या : 87 कार्य का नाम व स्थान :** वरि. मंडल इंजीनियर / पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में बीकानेर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कमियों की पूर्ति के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत मूल्य :** Rs. 37316803.22 **धरोहर राशि :** Rs. 336600.00 **नोट:**– अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।

812-CR/25

/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

मत्स्य निदेशालय में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस आयोजित

मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रशिक्षण जरूरी: मनोज कुमार

विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन में मत्स्य कृषकों की सहभागिता महत्वपूर्ण: आशीष कुमार

रांची: झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के तत्वावधान में मत्स्य निदेशालय, झारखंड के सौजन्य से शालीमार (धुर्वा) स्थित मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में गुरुवार को राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मत्स्य उत्पादन में क्रांति लाने वाले वैज्ञानिक स्व। हीरालाल चौधरी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर मत्स्य निदेशालय के सेवानिवृत संयुक्त निदेशक (मत्स्य) मनोज कुमार ने मत्स्य पालकों, मत्स्य बीज उत्पादकों सहित मत्स्य उत्पादन से जुड़े लोगों को राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के लिए समय-समय पर मत्स्य पालकों को प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है। प्रशिक्षण के माध्यम से मत्स्य पालकों को नई तकनीक से मत्स्य पालन के बारे में जानकारी मिलती है। जो मछली के उत्पादन में वृद्धि के लिए सहायक है।

उन्होंने कहा कि झारखंड में रिसकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस), केज कल्चर, बायोफ्लॉक और मोती पालन से मत्स्य पालकों की समृद्धि बढ़ रही है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन रोजगार का एक सशक्त जरिया बन रहा है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि मत्स्यपालकों के अलावा समय-समय पर विभागीय अधिकारियों और कर्मियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। ताकि मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की जा सके। वहीं, मत्स्य निदेशालय के सेवानिवृत अधिकारी आशीष कुमार ने कहा कि विभागीय योजनाओं के सफल कार्यान्वयन में मत्स्य कृषकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

विभाग में मैन पावर की कमी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा की विभाग की योजनाओं के शत-प्रतिशत सफल होने में विभागीय कर्मियों का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। मत्स्य उत्पादन के लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्या में विभागीय कर्मियों की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। मौके पर झारखंड के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील मत्स्य कृषकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक अमरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक शंभू प्रसाद यादव, मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक सहित काफी संख्या में मत्स्य विभाग के कर्मी मौजूद थे।

बदलते मौसम में बढ़ रही है डिहाइड्रेशन की समस्या, डॉक्टरों ने जताई चिंता

देश का अनियंत्रित मौसम लोगों को बीमारी से उभरने पर असर डाल रहा है

रांची/नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में इन दिनों पारा 44 डिग्री से भी ऊपर पहुंच रहा है गर्मी के साथ धूल भरी आंधियां और कभी-कभार अचानक बारिश हो रही है। दूसरी तरफ, मुंबई और हैदराबाद जैसे शहर भारी मानसून और वायरल संक्रमण की चपेट में बढ़ रहे हैं। ऐसे में डॉक्टरों ने नजरअंदाज हो रहे साइलेंट डिहाइड्रेशन के बारे में चेतावनी दी थी।

देशभर के डॉक्टर बता रहे हैं कि बुखार या वाइरल बीमारी से ठीक हो रहे कई मरीजों में थकान, मांसपेशियों में खिंचाव, भूख न लगना और ध्यान में कमी जैसे लक्षण बने रहते हैं। ये केवल बीमारी के बाद की थकावट नहीं हैं, बल्कि शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स और ऊर्जा की कमी का संकेत हैं झ जिसे सिर्फ पानी पीकर ठीक नहीं किया जा सकता।

डिहाइड्रेशन को अब तक ज्यादातर लोग दस्त से जोड़कर देखते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह शरीर से थकावट, बुखार, डेंगू, रेस्पिरेटरी या यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन में भी हो सकता है झ जहां शरीर से नमक और ग्लूकोज भी साथ में निकल जाते हैं। इसका असर यह होता है कि शरीर जल्दी ठीक नहीं होता, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और कमजोरी बनी रहती है।

डॉ अब्दुल मजीद खान, वरिष्ठ फिजीशियन का कहना है ,अक्सर मरीज समझते हैं कि बुखार उतरने के बाद वे ठीक हो गए हैं, लेकिन फिर कुछ दिनों में थकावट और मानसिक सुस्ती लेकर वापस आते हैं। यह छिपी हुई डिहाइड्रेशन के लक्षण हैं, जो सिर्फ पानी से नहीं सुधरती। आज के मौसम में शुरूआत से ही पानी, नमक और ऊर्जा को संतुलित रखना जरूरी है।

इसलिए अब डॉक्टर मरीजों को तरल, नमक व ऊर्जा आधारित चिकित्सा (एफईई थेरेपी) यानी ऐसे तैयार ड्रिंक्स देने की सलाह दे रहे हैं जिनमें इलेक्ट्रोलाइट्स (नमक व मिनरल्स) और ग्लूकोज संतुलित मात्रा में होते हैं। यह तरल जल्दी असर दिखाते हैं झ थकावट कम होती है और मरीज जल्द ठीक हो सकता है यदि यह चिकित्सा शुरूआत में ही दी जाए, तो जटिलताओं से बचा जा सकता है और बीमारी की अवधि भी कम हो सकती है।

न्यायालय, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, बुण्डू (राँची)

सर्व साधारण सूचना

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा–46(1) a के तहत

अनुमति वाद संख्या– आर० एम०–190/2023–24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक/विक्रेता– दिनेश उराँव वो सुरेश उराँव, दोनों पे० स्व० भोकता उराँव, सा०–कोन्तादोली, पो०–सताकी, थाना–अनगड़ा, हाल मोकाम साकिन–डोरेया थाना–तमाड़, जिला–राँची, जाति–उराँव, पेशा–खेतीबारी ने अपने निम्न वर्णित खतियानी/खरीदगी भूमि को विपक्षी/क्रेता–गीता मुण्डा पति–विद्याधर सिंह मुण्डा, सा०–सताकी,पो०–सताकी, थाना–अनगड़ा, अंचल–राहे, जिला– राँची, जाति–मुण्डा, पेशा–गृहिणी को छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा–46(1) a के तहत दान/बिक्री/वसीयत/बदलेन हेतु अनुमति की माँग की गयी है।

जिस किसी को भी आपत्ति करना हो वे दिनांक– 07/08/2025 तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति दाखिल कर सकते है।

बिक्री हेतु अनुमति भूमि का विवरण

मौजा–कोन्तादोली, थाना–अनगड़ा, थाना सं०–39, जिला–राँची।

खाता सं०	प्लॉट सं०	रकवा	चौहद्दी			
			उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम
92	2510	55डी०	रास्ता	राम सिंह मुण्डा वगै०	राम सिंह मुण्डा वगै०	राम सिंह मुण्डा वगै०
	2513	34डी०				
	2514	1ए०09डी०				

PR 356947 (Revenue)25-26*D

भूमि सुधार उप समाहर्त्ता,बुण्डू (राँची)

झारखण्ड सरकार

जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी।

निजी एवं लीज पर लिए गए सरकारी जलकरों में मत्स्य बीज का आच्छादन पर अनुदान योजना

झारखण्ड सरकार, कृषि, प ुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या–10रा(वि0), दिनांक–04.07.2025(तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना, वित्तीय वर्ष 2025–26) द्वारा जिला–खूँटी को कुल 100 एकड़ जलक्षेत्र(अजजा/अन्य के लिए–80 एकड़ तथा अजा के लिए– 20 एकड़) को मत्स्य बीज से आच्छादन पर चयनित लाभुकों को अनुदान दिये जाने का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है। इस योजना अंतर्गत निजी तालाब लाभुक तथा सरकारी जलकरों के बन्दोबस्तधारी लाभुक योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना में चयनित लाभुक जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से संबद्ध प्र िक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों से मत्स्य अंगुलिकाओं का क्रय करेंगे एवं अपने तालाब में 5000 बीज प्रति एकड़ की दर से संचयन करेंगे(तालाब के जलक्षेत्र अनुसार समानुपातिक रूप से मत्स्य बीज संचयन की दर होगी)। योजन की प्राक्कलित राशि मो० 3750/– रू० मात्र प्रति एकड़ की दर से गणना की जाएगी। मत्स्य अंगुलिका के क्रय पर 50 प्रतिशत सहायता/अनुदान अर्थात् अधिकतम 1875/– रुपये प्रति एकड़ की दर से गणना की जाएगी। अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाता में डी०बी०टी० की जाएगी।

लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा तत्प चात् योजना क्रियान्वित की जाएगी। लाभुक के साथ मत्स्य बीज संचयन का Geo tagged फोटोग्राफ्स (Lattitude-Longitude सहित) लाभुक द्वारा समर्पित किया जाएगा। विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त एवं चालू वित्तीय वर्ष 2025–26 में झास्कोफिश/विभागीय फिश फीड मिल से फिश फीड प्राप्त करने वाले मत्स्य कृशकों को प्राथमिकता दी जाएगी। विभाग द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य बीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा। आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में निःशुल्क उपलब्ध है। आवेदक स्वयं ग्राम पंचायत से तालाब के जलक्षेत्र के साथ अनुमोदन प्राप्त करते हुए **दिनांक 30.07.2025** तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में ऑफलाईन (Offline) आवेदन जमा करेंगे साथ ही सभी वांछित कागजातों के साथ जिला मत्स्य कार्यालय में उपस्थित होकर Blockchain Platform में अपना निबंधन कराते हुए आनलाईन (Online) आवेदन भी करेंगे।

योजना की विस्तृत जानकारी जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से प्राप्त की जा सकती है एवं नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

यह योजना "पहले आओ पहले पाओ" की तर्ज पर दिया जाएगा।

वांछित कागजातों की सूची निम्नलिखित है:–

(1) रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो एक प्रति। (2)अपना आधार से लिंक किया हुआ मोबाईल नम्बर के साथ मोबाईल। जिनका मोबाईल नम्बर आधार से लिंक नहीं है वे प्रज्ञा केन्द्र में जाकर लिंक करा लें। (3)आधार कार्ड मूल प्रति (Original)। (4)बैंक पासबुक(Original/मूल प्रति)। (5)पैन कार्ड(Pan Card-Original/मूल प्रति)। (6)राशन कार्ड यदि हो तो(Original/मूल प्रति)। (7)वोटर आई० डी० कार्ड(Original/मूल प्रति)। (8)आय प्रमाण पत्र यदि हो तो(Original/मूल प्रति)। (9) ST/SC के लिए ऑनलाईन से प्राप्त जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य है एवं ST/SC तथा अन्य सभी कोटि के लिए आवासीय प्रमाण पत्र ऑनलाईन से प्राप्त किया हुआ अनिवार्य है(Original/मूल प्रति)। (10)मकान संख्या/मकान जिस खेसरा/प्लॉट संख्या पर बना है की जानकारी। (11) तालाब किस योजना/किस विभाग/किस वर्ष बना है, निजी/साझा/लीज की जानकारी। (12) वंशावली/खतियान की प्रति। (13)तालाब के साथ लाभुक का GPS/Location वाला फोटोग्राफ। (14)जमीन का रसीद, ऑनलाईन से प्राप्त किया हुआ(Original/मूल प्रति)। (15)तालाब(निजी/साझा/लीज जो भी हो सभी) का खाता संख्या, प्लॉट संख्या, रकबा एवं जलक्षेत्र(तालाब का आकार)।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी।

PR.NO.356979 Fish(25-26):D

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चुटिया में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चुटिया में पूरे हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया।

सनातन संस्कृति में गुरु पूजन परम्परा रही है,महर्षि वेदव्यास को गुरुओं के गुरु माना जाता है। इस उद्देश्य से गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विद्यालय के विशाल कक्ष मेंमहर्षि वेदव्यास जयंती, सह गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य इंद्रजीत कुमार झा एवं वरिष्ठ आचार्य रबिन्द्रनाथ प्रामाणिक ने संयुक्त रूप से महर्षि वेदव्यास के चित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर किया।

तत्पश्चात सभी आचार्य-दीदीजी एवं सभी भैया-बहनों ने पुष्पार्चन किया। इस पुनीत अवसर पर प्रधानाचार्य कार्यक्रम के विषय में प्रवेश करते हुए अपने उदबोधन में गुरु- शिष्य परम्परा ,गुरु पूर्णिमा का महत्व,महर्षि वेदव्यास की जीवन व कृतित्व आदि पर चर्चा करते हुए कहा कि गुरु तत्व है,गुरु ज्ञान है,गुरु है ज्योतिपुंज।

गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु और शिष्य के पवित्र संबंध का प्रतीक है,जो महर्षि वेदव्यास के सम्मान में मनाया जाता है।उनका योगदान भारतीय संस्कृति, साहित्य और धर्म में अतुलनीय है।मान्यतानुसार, इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने अपने गुरु ऋषि शांडिल्य को ज्ञान प्रदान करने के लिए चुना था। साथ ही भगवान बुद्ध ने भी अपने पहले पांच शिष्यों को उपदेश दिया था।वस्तुतःयह दिन स्मरण कराता है कि ज्ञान और शिक्षा का महत्व सदा सर्वोपरि है और गुरु ही हमारे सच्चे पथ प्रदर्शक हैं। समाज के विकास में गुरु का अहम योगदान होता है।हमें सवेंदनशील बनना चाहिए साथ ही अपने आचरण व व्यवहार को ऐसे बनाये रखना चाहिए ताकि सामने वाला प्रभावित हो सके। विद्यालय के भैया-बहन एवं आचार्य-दीदीजी ने भी महर्षि वेदव्यास के जीवनी पर प्रकाश डाला गया।भैया-बहनों के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिवस नायक, भारद्वाज जी उपस्थित थे। उन्होंने संगीत के बारे में गायन करके बताया गया।भैया- बहनों के द्वारा सावित्रीबाई फुले से संबंधित नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। तत्पश्चात आचार्य के साथ सभी भैया के द्वारा संघ प्रार्थना किया गया एवं राष्ट्रीय सेविका समिति प्रार्थना सभी दीदीजी एवं बहनों के द्वारा किया गया। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय समिति के अध्यक्ष फतेचन्द अग्रवाल,उपाध्यक्ष गिरिधारी महतो,सचिव मदन केशरी,सह-सचिव अविचल कुमार, कोषाध्यक्ष राम लखन महतो,सदस्य क्षत्रधारी महतो जी एवं नंद कुमार साहू का गरिमामय उपस्थिति रहा। बाल विकास मंदिर समिति सह विद्यालय के अध्यक्ष द्वारा आशीर्वचन प्राप्त हुआ एवं आचार्य-दीदीजी को वस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

पुनरीक्षण पर हुंकार

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जरूरत बिहार में ही क्यों पड़ी, वह भी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले। इसके खिलाफ विपक्ष में विरोध के स्वर तो उठने ही थे। अंतिम एसआईआर 2003 से अब तक कई विधानसभा और लोक सभा चुनाव हो चुके हैं, क्या चुनाव आयोग को एक बार भी एसआईआर की जरूरत महसूस हुई। कोई साक्ष्य नहीं मिलता। लोक सभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उंगली उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए 'धांधली' की गई और केंद्र की राजग सरकार इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनावों में भी ऐसा करना चाहती है। उन्होंने साफ कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ बुधवार को राज्य भर में प्रदर्शन हुए जिसके लिए राहुल सहित विपक्षी महागठबंधन के शीर्ष नेता पटना में एकत्र हुए। हालांकि बुधवार को ही मजदूर संगठनों का श्रम संहिताओं के विरोध में चक्का जाम भी था और इंड़िया गठबंधन इसका समर्थन कर रहा था। लेकिन बिहार में उसने एसआईआर के खिलाफ अपनी आपत्तियां उजागर करने को अहमियत दी। आरोप है कि यह प्रक्रिया ह्यबड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित' कर देगी जिससे सत्तारूढ़ राजग को लाभ होगा। राहुल ने पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान कहा विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में हेराफेरी के 'महाराष्ट्र मॉडल' का विस्तार है और इससे न केवल लोगों के वोट देने का अधिकार छिनेगा बल्कि उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा। उन्होंने निर्वाचन आयोग को संविधान की रक्षा करने की नसीहत देते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के निदेर्शों पर काम कर रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण चुनावी चोरी का एक प्रयास है। हम निर्वाचन आयोग को मतदाताओं खासकर युवाओं के अधिकार (मतदान के) छीनने नहीं देंगे। आयोग के सदस्यों की चयन प्रक्रिया से प्रधान न्यायाधीश को बाहर कर देने के बाद से इसके कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। आयोग इनका जवाब देने में कोई तत्परता नहीं दिखाता। भले ही वह सही रास्ते पर हो लेकिन उसका काम विपक्ष को चौंकाना और हलकाना नहीं उसकी आपत्तियों का निस्तारण करना भी है।

जानलेवा लापरवाही

गुजरात के वड़ोदरा में महिसागर नदी पर बना पुल टूटने से चौदह लोोगों की मौत हो गई। दो ट्रक,दो कार, एक रिक्शा नदी में गिर गए जबकि दो लापता हैं और एक टैंकर टूटे सिरे पर आधा लटका था। आठ लोगों को स्थानीय नागरिकों ने बचाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डूबने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। पैंतालिस साल पुराना यह पुल दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है। भरूच, सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड़ जैसे स्थानों पर जाने के लिए अब लंबे मार्ग से गुजरना होगा। भारी बरसात के कारण इससे पहले पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढहने से चार लोगों की मौत हो गई और अठारह घायल थे। बिहार में तो नवनिर्मित पुल का बड़ा हिस्सा बह गया। भारी बारिश के चलते सड़के बहने और जलभराव से पूरे देश में जनता परेशान है। सड़कों और पुलों का कैसा निर्माण होता है जो ये बरसात में बह जाते हैं। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की बातें क्या जुमले भर रह गए हैं। पीड़ित परिवारों को मुआवजे का ऐलान कब तक जनता को तसल्ली देगा। राजीव गांधी से मनमोहन सिंह तक ने प्रधानमंत्री पद से लगातार इस ठेकेदारी प्रथा की भर्त्सना की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अपनी सरकार की पीठ थपथपाते हुए भ्रष्टाचारियों को निशाने पर रखते रहे हैं। बावजूद इसके सालझ्रदरझ्रसाल निर्माण में कोताही भ्रष्टाचारियों की पोल खोलती रहती है। मौसम की मार से प्रति वर्ष सैकड़ों मासूम लोगों की जान देश भर में जाती है जबकि प्राकृतिक आपदाओं के नाम पर खासी रकम खर्च की जाती है। स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकारों को आखिर, कब इसके लिए जिम्मेदार बनाया जाएगा। प्रकृति की मार ही तो है कि राजस्थान के चुरू में वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया जिसमें पायलट और को-पायलट शहीद हो गए। लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद सेना इन पचास साल पुराने विमानों की समीक्षा करने में कोताही क्यों कर रही है। बड़ा सवाल है। अधिक उन्नत, प्रभावशाली और आधुनिक विकल्पों की मौजूदगी के बाद भी ढुलमुल रवैया सवालिया निशान तो लगाता ही है। दोषियों को बचाने और लापरवाह तरीका अख्तियार करने वालों को नजरंदाज करने का मौजूदा तरीका जब तक नहीं त्यागा जाता तब तक इन दुर्घटनाओं पर काबू पाना लगभग असंभव है।

जनसंख्या वृद्धि का अंत वैश्विक चुनौती

जनसंख्या के इस वैज्ञानिक अध्ययन को जनांकिकी (डैमोग्राफी) कहा जाता है, जो पिछले कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय के रूप में उभरा है। जनांकिकी वह शास्त्र है जो जनसंख्या के आकार, संरचना, वितरण तथा उसमें होने वाले परिवर्तनों का वैज्ञानिक विश्लेषण करता है। जहां जनसंख्या का आकार मात्रात्मक विश्लेषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है, वहीं इसकी संरचना गुणात्मक विश्लेषण की संभावना को प्रकट करती है। जनसंख्या में परिवर्तन- जो वृद्धि या कमी का द्योतक होता है- मुख्यत: जन्म, मृत्यु और प्रवास जैसे घटकों पर निर्भर करता है। जनसंख्या एक ओर जैविक तत्वों जैसे जन्म और मृत्यु से प्रभावित होती है, तो दूसरी ओर सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक कारक भी इसकी दिशा और स्वरूप को निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। पिछली दो सदियों में जनसंख्या वृद्धि में अभूतपूर्व तेजी देखी गई है। पृथ्वी की जनसंख्या को एक अरब तक पहुंचने में मानव इतिहास का अधिकांश समय लग गया।

डा. सतपाल

विभिन्न धर्मग्रंथों में मानव की उत्पत्ति को लेकर भिन्न-भिन्न मत प्रस्तुत किए गए हैं। जब मनुष्य का इस धरा पर आगमन हुआ, तब उसके पास प्रकृति द्वारा प्रदत्त अनेक संसाधनों की भरमार थी। किंतु जैसे-जैसे जनसंख्या में वृद्धि हुई और विकास को मापने के आर्थिक मानक स्थापित हुए, जनसंख्या स्वयं एक गंभीर समस्या और चुनौती के रूप में उभरने लगी। जनसंख्या केवल धरती पर जीवित मानवों की संख्या की गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक अध्ययन इसके विभिन्न पहलुओं की गुणात्मक समझ प्रदान करता है। जनसंख्या के इस वैज्ञानिक अध्ययन को जनांकिकी (डैमोग्राफी) कहा जाता है, जो पिछले कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय के रूप में उभरा है। जनांकिकी वह शास्त्र है जो जनसंख्या के आकार, संरचना, वितरण तथा उसमें होने वाले परिवर्तनों का वैज्ञानिक विश्लेषण करता है। जहां जनसंख्या का आकार मात्रात्मक विश्लेषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है, वहीं इसकी संरचना गुणात्मक विश्लेषण की संभावना को प्रकट करती है। जनसंख्या में परिवर्तन- जो वृद्धि या कमी का द्योतक होता है- मुख्यतः जन्म, मृत्यु और प्रवास जैसे घटकों पर निर्भर करता है। जनसंख्या एक ओर जैविक तत्वों जैसे जन्म और मृत्यु से प्रभावित होती है, तो दूसरी ओर सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक कारक भी इसकी दिशा और स्वरूप को निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। पिछली दो सदियों में जनसंख्या वृद्धि में अभूतपूर्व तेजी देखी गई है। पृथ्वी की जनसंख्या को एक अरब तक पहुंचने में मानव इतिहास का अधिकांश समय लग गया।

चूंकि प्रारंभिक काल में जनसंख्या वृद्धि की दर बहुत धीमी थी, इसलिए विश्व की जनसंख्या वर्ष 1804 में जाकर पहली बार एक अरब के आंकड़े तक पहुंची। जनांकिकी की दृष्टि से इसे जनसंख्या वृद्धि की प्रारंभिक अवस्था माना जाता है, जहां जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ही उच्च होती हैं, जिससे जनसंख्या की वृद्धि धीमी रहती है। वर्ष 1804 के बाद विश्व की जनसंख्या को एक अरब से दो अरब तक पहुंचने में 123 वर्ष लगे, और यह आंकड़ा वर्ष 1927 में प्राप्त हुआ। इसके बाद वृद्धि की गति तेज हो गई और मात्र 33 वर्षों में, वर्ष 1960 तक, जनसंख्या दो अरब से बढकर तीन अरब हो गई। इस बढ़ती रफ्तार का स्पष्ट उदाहरण वर्ष 2011 में देखा गया, जब वैश्विक जनसंख्या केवल 12.5 वर्षों में 6 अरब से बढकर 7 अरब तक पहुंच गई। इसके बाद, 7 अरब से 8 अरब तक पहुंचने में मात्र 11 वर्ष लगे। केवल 23 वर्षों में 2 अरब की वृद्धि जनसंख्या विस्फोट की स्थिति को दशार्ती है। इस काल खंड में अकाल, भुखमरी, बीमारियों पर अंकुश लग जाने से मृत्यु दर कम हुई। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी से शिशु मृत्यु दर पर लगाम व जीवन प्रत्याशा दर में वैश्विक वृद्धि से भी जनसंख्या वृद्धि की दूसरी अवस्था से गुजरना पड़ा। वर्तमान समय में जनसंख्या वृद्धि की तीसरी और चौथी अवस्था को लेकर वैश्विक स्तर पर गंभीर चर्चा हो रही है। भले ही आज विश्व की जनसंख्या निरंतर बढ़ रही है, लेकिन इसकी वृद्धि दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। जनसंख्या घटने के संकेत स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। मानव संसाधनों के ह्रास से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। जनसंख्या नीति को संतुलन और स्थायित्व की जरूरत है।

सपने, अब होंगे अपने

बस हमें एक अतिरिक्त बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है। और वह है, हमारे सपनों का आकार, हमारी इच्छाओं का आकार, हमारी महत्वाकांक्षा का आकार। दिल है छोटा-सा, छोटी-सी आशा, आसमानों को छूने की आशा की तर्ज पर यदि हम आसमानों को छूने की आशा पाल लें तो सचमुच आसमानों को भी छू सकते हैं! आइये, इस पर जरा विस्तार से बात करें। क्या आपका सपना है कि आपकी एक दुकान हो, उसमें खूब-सा सामान हो और खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आपका जीवन सुखमय हो जाए, या आपका सपना है कि आपके पास ऐसी दुकानों की श्रृंखला हो जहां खूब सामान हो, खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आप मालामाल हो जाएं।

पीके खुराना

जीवन में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है। जो कदरन कम सफल है, वह सफलता के सपने देखता है, अमीरी के सपने देखता है, खुशियों से भरपूर जीवन के सपने देखता है। सपनों से प्रेरणा मिलती है और आदमी कुछ कर दिखाता है। सपने देखना अच्छी बात है, कल्पनाशील होना अच्छी बात है, आगे बढ़ने की तमन्ना रखना अच्छी बात है। जानवर ताकतवर होते हैं, पर वे आगे बढ़ने के सपने नहीं देखते, उनकी सारी जद्दोजहद खुद को बचाए रखने और भूख लगने पर भोजन की प्राप्ति तक सीमित है। हम अपनी कल्पना के कारण शेर को जंगल का राजा कहते हैं, वरना किसी शेर के मन में कभी इच्छा नहीं हुई कि वह पूरे जंगल पर राज करे। जबकि मनुष्य आगे बढ़ने के सपने देखता है और उसके लिए जुगत भिड़ाता है। मानव जीवन की यही खासियत उसे अन्य सभी जीवों से अलग करती है। अक्सर हम इस बात से चिंतित होते हैं कि हम में आवश्यक गुण नहीं जो हमें आगे बढ़ने में सहायक हों, मसलन, शिक्षा की कमी, संपर्कों की कमी, धन की कमी, व्यवहारकुशलता की कमी, हमारी सफलता की राह में रोड़े बनते हैं। इतिहास ने सिद्ध किया है कि ये सभी गुण महत्वपूर्ण हैं और सफलता में सहायक होते हैं, लेकिन इनकी कमी कोई ऐसी बड़ी कमी नहीं है जो हमें सचमुच सफलता से वंचित रख सके। कम शिक्षित लोग अपने दम पर धनपति बने हैं, साधनहीन लोग अपने दम पर धनी बने हैं और ऐसे लोग जिनके आसपास का सारा माहौल उनके खिलाफ था, अपने दृढ़ इरादों के कारण सफल बने हैं। इन सब में एक खासियत अवश्य थी, और वह थी- पक्का इरादा, विपरीत स्थितियों से घबराये बिना अपने सपने पूरे करने की लगन। यह एक ऐसा अकेला गुण है जो हमारी शेष सभी कमियों पर पार पा सकता है।

बस हमें एक अतिरिक्त बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है। और वह है, हमारे सपनों का आकार, हमारी इच्छाओं का आकार, हमारी महत्वाकांक्षा का आकार। दिल है छोटा-सा, छोटी-सी आशा, आसमानों को छूने की आशा की तर्ज पर यदि हम आसमानों को छूने की आशा पाल लें तो सचमुच आसमानों को भी छू सकते हैं! आइये, इस पर जरा विस्तार से बात करें। क्या आपका सपना है कि आपकी एक दुकान हो, उसमें खूब-सा सामान हो और खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आपका जीवन सुखमय हो जाए, या आपका सपना है कि आपके पास ऐसी दुकानों की श्रृंखला हो जहां खूब सामान हो, खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आप मालामाल हो जाएं। आप सिर्फ एक उद्यमी होना चाहते हैं या फिर आप एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के मालिक होना चाहते हैं? आपके सपनों का आकार आपकी सफलता के आयाम निश्चित करेगा। याद रखिए, किसी कंपनी की दस, बीस, पचास या सौ शाखाओं को चलाने में जितनी मेहनत, ऊर्जा और समय की आवश्यकता होती है, उसकी एक ही शाखा को चलाने में भी उतना ही प्रयत्न लगता है। अब इसी बात को जरा दूसरे ढंग से कहते हैं। दो दशक पहले तक भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियां विदेशों से, खासकर पश्चिमी देशों से आती थीं। अब बहुत सी भारतीय कंपनियां भी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। बीकानेरी भुजिया पहले सिर्फ बीकानेर से ही मिलता था, आगरे का पेठा सिर्फ आगरा में होता था, रोहतक की रेवड़ी लेने के लिए रोहतक जाना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। समय नहीं बदला है, सोच बदली है। सोच बदलने से यह संभव हो सका है कि विभिन्न भारतीय कंपनियों के मालिकों ने इन्हें देश भर में फैलाया और विदेशों में भी पैर जमाए। सपना होगा तो प्रयत्न होगा, और सपना बड़ा होगा तो फल भी बड़ा होगा क्योंकि तब प्रयत्न भी वैसा ही होगा। ध्यान रखिए कि सपनों और दिवा-स्वप्न में बड़ा अंतर होता है। सपना वह होता है जो आपके दिल का चैन उड़ा दे, आपकी रातों की नींद उड़ा दे और आपको सपने की पूर्ति के लिए प्रयत्न की प्रेरणा दे, जुगाड़ लगाने के तरीके सोचने पर मजबूर कर दे। सपना आपको काम पर लगने के लिए प्रेरित करता है, समय-समय पर काम की प्रगति की समीक्षा की प्रेरणा देता है, आवश्यकता होने पर योजना में बदलाव अथवा सुधार की प्रेरणा देता है। दिवास्वप्न, इसके विपरीत, निले की कल्पना है क्योंकि उसके साथ प्रयत्न नहीं जुड़ा है। सर एडमंड हिलैरी ने एवरेस्ट विजय का सपना देखा, तो अपने शरीर को पहाड़ों की चोटियों के मौसम के अनुरूप ढाला, सर्दी की बफीर्ली हवाओं को सहने की क्षमता विकसित की, तूफानों में जीवित रहने की कोशिश करना सीखा और फिर एवरेस्ट की यात्रा आरंभ की। बीच में कठिनाइयां आईं, बफीर्ले तूफान आए, लेकिन वे उनके लिए तैयार थे। इसीलिए वे एवरेस्ट विजय कर पाए। वे कोई सैर करने नहीं निकले थे कि सैर करते हुए अचानक एवरेस्ट की चोटी पर जा पहुंचे। एवरेस्ट विजय का उनका सपना ही उनकी सफलता का कारण बना। यदि वे एवरेस्ट विजय का सपना ही न देखते तो प्रयत्न ही न करते। प्रयत्न ही न होता तो विजय भी न होती। लेकिन यहां सपने के साथ योजना जुड़ी थी, कर्म जुड़ा था। अक्सर लोग वक्त की कमी को अपनी सफलता का सबसे बड़ा रोड़ा मानते हैं। वक्त न होने का रोना रोने का एक ही मतलब है कि आप व्यवस्थित नहीं हैं। आप सैर न करने वाले लोगों से पूछ कर देखिए, वे सभी आप को बताएंगे कि उनके पास सैर का वक्त ही नहीं होता, जबकि सैर करने वालों की दिनचर्या उनसे कहीं ज्यादा व्यस्त हो सकती है। वक्त बनाने के लिए खुद को व्यवस्थित करना होता है, अपना आलस्य छोड़ना होता है। सफलता आसान नहीं होती। सफलता अपनी कीमत मांगती है। सफलता आपकी सारी ऊर्जा चाहती है, सारा ध्यान चाहती है। निकम्मा आदमी किसी काम का नहीं। जो आदतन परजीवी बने रहते हैं, दूसरों की मदद के तलबगार बने रहते हैं, वे ही असफल होते हैं। सपनों की पूर्ति के लिए काम करते समय कुछ घबराहट का होना, थोड़ा-बहुत डर, सामान्य सी बात है। और यह वस्तुतः अच्छा है क्योंकि संयमित डर के कारण हम सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हैं जिससे असफलता की आशंका कम हो जाती है। मैं इसे संयमित डर कहता हूं क्योंकि अत्यधिक डर आपको अपंग बना देता है, और अति-विश्वास आपको ऐसे जोखिम में डाल सकता है कि आप कठिनाइयों के जाल में घिर जाएं। संतुलित डर और आत्मविश्वास का मेल आपकी सफलता को सुनिश्चित करता है क्योंकि वह आपके इरादे को पक्का करता है और आरंभिक छोटी-बड़ी कठिनाइयों और असफलताओं से घबराये बिना आगे चलने की प्रेरणा देता है। यही हमारी सफलता का राज है।

सखा

श्रीराम शर्मा आचार्य

अहंकार और अत्याचार संसार में आज तक किसी को बुरे कर्मफल से बचा न पाए। रावण का असुरत्व यों मिटा कि उसके सवा दो लाख सदस्यों के परिवार में दीपक जलाने वाला भी कोई न बचा। कंस,दुर्योधन, हिरण्यकशिपु की कहानियां पुरानी पड़ गईं। हिटलर, सालाजार, चंगेज और सिकंदर,नैपोलियन जैसे नर-संहारकों को किस प्रकार दुर्दिन देखने पड़े। उनके अंत कितने भयंकर हुए यह भी अब अतीत की गाथाओं में जा मिले हैं। इन पंक्तियों में लिखी जा रही कहानी ऐसे खलनायक की है जिसने अपने दुष्कर्मों का बुरा अंत अभी कुछ दिन पहले ही भोगा है। जलियांवाला नरसंहार की जब तक याद रहेगी तब तक जनरल डायर का डरावना चेहरा भारतीय प्रजा के मस्तिष्क से न उतरेगा। पर बहुत कम लोग जानते होंगे कि डायर को भी अपनी करनी का फल वैसे ही मिला जैसे सहसबाहु, खरदूषण, वृत्रासुर आदि को। हंटर कमेटी ने उसके कार्यों की सार्वजनिक निंदा की उससे उसका मन अशांत हो उठा। तत्कालीन भारतीय सेनापति ने उसके किए हुए काम को बुरा ठहरा कर त्यागपत्र देने का आदेश दिया। फलतः अच्छी खासी नौकरी हाथ से गई पर इतने भर को नियति की विधि-व्यवस्था नहीं कहा जा सकता। आगे जो हुआ, प्रमाण तो वह है जो बताता है कि करने के फल विलक्षण और रहस्यपूर्ण ढंग से मिलते हैं। 1921 में जनरल डायर को पक्षाघात हो गया उसका आधा शरीर बेकार हो गया। प्रकृति इतने से ही संतुष्ट न हुई फिर उसे गठिया हो गया। उसके मित्र उसका साथ छोड़ गए। उसके संरक्षक माइकेल ओडायर की हत्या कर दी गई। उसे तो चलनाझ्रफिरना तक दूभर हो गया। ऐसी ही स्थिति में एक दिन उसके दिमाग की नस फट गई और लाख कोशिशों के बावजूद ठीक नहीं हुई। डायर सिसक- सिसक कर तड़प-तड़प कर मर गया। अंतिम शब्द उसके ये थे। मनुष्य को परमात्मा ने यह जो जीवन दिया है उसे बहुत सोच-समझ कर बिताने वाले ही व्यक्ति बुद्धिमान होते हैं पर जो अपने को मुझ जैसा चतुर और अहंकारी मानते हैं जो कुछ भी करते न डरते हैं, न लजाते हैं, उनका क्या अंत हो सकता है?

आपके पत्र

हिंदी बोलने में शर्म कैसी?

हमें अंग्रेजी बोलने में शर्म इसलिए आनी चाहिए क्योंकि जिन अंग्रेजों ने हमारे देश पर वर्षों राज कर देश को आर्थिक रूप से बर्बाद कर दिया, हम हिंदुस्तानियों पर जुल्म ढाहे, आज आजाद देश में हम उनकी भाषा को मान-सम्मान देते हैं, इसे प्रयोग करने में गर्व महसूस करते हैं। आज हम भारतीयों में से बहुत से लोग अपनी हिंदी भाषा को बोलने में शर्म महसूस करते हैं, जबकि हमारे देश को आजाद करवाने वाले देशभक्तों और महापुरुषों ने हिंदी बोलने में अपनी शान समझी। उन्होंने इसके विस्तार के लिए काम भी किया।

महात्मा गांधी ने हिंदी के लिए कहा था कि, परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से ही जानता-समझता हो। हिंदी इस नजर से सर्वश्रेष्ठ है।

राजू सिंह

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सावन के पहले दिन बाबा बासुकीनाथ धाम में उमड़ी कांवरियों की भीड़, कतार में लगकर शिवभक्त कर रहे अपनी बारी का इंतजार

संवाददाता

दुमका : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू हो गया है. आज सुबह से ही बासुकीनाथ शिवगंगा तट पर जल चढ़ाने के लिए कांवरियों की कतार लगी रही. कांवरियों को क्यू कॉम्प्लेक्स से मंदिर में प्रवेश कराया जा रहा है. सावन का पूरा महीना बिना किसी बाधा के संपन्न हो, इसके लिए पंडा समाज ने आज बाबा भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की.

सावन माह के पहले दिन बाबा बासुकीनाथ का फौजदारी दरबार भगवाधारी कांवरिया शिवभक्तों से गुलजार हो गया है. ब्रह्म मुहूर्त में बाबा बासुकीनाथ मंदिर के पट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए. शिवगंगा तट से क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई है. शिवभक्त अपनी बारी का इंतजार करते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं.

भक्तों की कतार में भक्ति का जोश जयकारों के रूप में फूट रहा है. बोल बम के महामंत्र और महादेव के जयकारे से बाबा फौजदारी की नगरी सावन माह के पहले दिन लगातार गूंज रही है. शिवगंगा तट से लेकर संस्कार मंडप और बासुकीनाथ मंदिर परिसर के बीच श्रद्धालुओं में भगवान शिव की भक्ति का चरम देखने को मिल रहा है.

इधर, आर्थिक रूप से सक्षम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रबंधन ने 300 रुपये प्रति व्यक्ति का कूपन काटकर विशेष द्वार से सीधे गर्भगृह में पूजा-अर्चना की व्यवस्था की है. सक्षम श्रद्धालु इसका लाभ भी उठा रहे हैं.

वहीं बासुकीनाथ मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है. नंदी चौक बेलगुमा, दर्शनिया टिकर के पास वाहनों को रोका जा रहा है, ताकि मंदिर पथ और मेला क्षेत्र में जाम न लगे और श्रद्धालुओं को आने-जाने में सुविधा हो. बता दें कि मेला क्षेत्र में जगह-जगह भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी अन्य परेशानी का सामना न करना पड़े.

सीएचसी तालझारी में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी प्रखंडवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात के रूप में आज नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी तालझारी का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री हेमंत सती ने विधिवत रूप से फिता काटकर भवन का उद्घाटन किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।उद्घाटन समारोह के पश्चात उपायुक्त ने नवनिर्मित भवन के सभी वार्डों झ पुरुष, महिला, प्रसव कक्ष, आपातकालीन सेवा कक्ष, ओपीडी व औषधि वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वच्छता, दवा की उपलब्धता चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, रोगियों की सुविधा व स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनहित का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जबकि उपायुक्त ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं को भी सुना। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएचसी तालझारी में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को समुचित चिकित्सा सुविधा सुलभ हो सके।इसके अतिरिक्त उपायुक्त हेमंत सती ने तालझारी प्रखंड में स्थित बाल संरक्षण कार्यालय का भी दौरा किया। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्र में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उनका यह दौरा प्रशासनिक तत्परता और जनसरोकार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य केंद्र के समस्त चिकित्सक, नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे। सभी ने स्वास्थ्य केंद्र की शुरूआत को तालझारी के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और उपायुक्त का आभार प्रकट किया।

महर्षि वेदव्यास जयंती सह गुरपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : गुरुवार को विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,साहेबगंज के वंदना कक्ष में ₹महर्षि वेदव्यास जयंती₹ सह ₹गुरपूर्णिमा₹महोत्सव का आयोजन किया गया।जयंती समारोह का शुभारंभ समिति के संरक्षक डॉ अरविंद प्रसाद सिंह,सचिव डॉ मृदुला सिन्हा उपाध्यक्ष डॉ विजय कुमार,अभिभावक प्रतिनिधि तेज नारायण भगत,रिंकी देवी,विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता,ओंकार,भारत माता एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।जयंती समारोह को संबोधित करते हुए डॉ मृदुला सिन्हा ने आषाढ़ पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था।वेदव्यास को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर गुरुदेव की पूजा के साथ ही महर्षि वेदव्यास की भी पूजा की जाती है। वेदव्यास अष्ट चिरंजीवियों में एक हैं।सुनील पंडित ने बताया कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं है,यह कृतज्ञता का प्रतीक है।यह हमें याद दिलाता है कि जीवन की सफलता केवल किताबों के ज्ञान से नहीं, बल्कि एक सच्चे गुरु के मार्गदर्शन से ही मिलती है।विद्यालय की आचार्या दीपशिखा,कक्षा षष्ठ के भैया प्रिंस कुमार एवं कक्षा पंचम की बहन सृष्टि कुमारी ने महर्षि वेदव्यास पर अपनी बातों को रखा।जयंती समारोह का संचालन एवं अतिथि परिचय आचार्य अमित कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन किरण कुमारी गुप्ता ने किया।जयंती समारोह में विद्यालय के आचार्य अजय कुमार साह, राघव वत्स,अजीत कुमार मालवीय,कल्याण भंडारी,श्यामा प्रसाद, संतोष कुमार दास,सोनू शर्मा, निर्मला कुमारी,अर्चना वर्मा, लिपिका राज सिंह,सारिका कुमारी, टीनू पाण्डेय,सोनी कुमारी, स्नेहा भारद्वाज, क्रिस्टीना मुर्मू, कर्मचारी बृंद अनीता कुमारी, दिनेश कुमार राम,सोनू यादव, पाटूल ज, मिथुन पासवान एवं विद्यालय के भैया/बहन उपस्थित थे। जयंती समारोह का समापन शांति मंत्र के पाठ के साथ हुआ।

मजबूत हो रही है कांग्रेस पार्टी : के राजू

संवाददाता

गिरिडीह : जिले में कांग्रेस का कार्यालय नए भवन में शिफ्ट हो गया है. गुरु पूर्णिमा के दिन पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, विधायक श्वेता सिंह, पूर्व विधायक जयप्रकाश भाई पटेल समेत कांग्रेस के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे. कार्यकत्ताओं की भी भीड़ उमड़ी रही. देर शाम तक लोग जुटे रहे.

इस बीच यहां फिर से पार्टी के सूबे खासकर गिरिडीह में स्थिति पर चर्चा हुई. बताया जाता है कि चर्चा हुई तो उस दिन को भी याद किया गया जब पार्टी परवान पर थी. जब गिरिडीह जिले में कई विधायक हुआ करते थे. चर्चा आज के हालात की भी हुई जब जिले के अंदर गठबंधन में एक सीट भी नहीं मिली. ऐसे में संगठन को मजबूत करने का निर्णय भी लिया गया.

जब पत्रकारों ने प्रदेश प्रभारी के राजू से सवाल पूछे तो उन्होंने साफ कहा कि गिरिडीह कांग्रेस कार्यालय को नया भवन मिला है. इस भवन में कार्यालय चलेगा और आम लोगों की समस्या का हल भी निकाला जाएगा. वहीं यह भी बताया कि पूरे सूबे में संगठन को मजबूत करने का प्रयास चल रहा है.

जब प्रदेश अध्यक्ष से बात हुई तो उन्होंने संगठन मजबूती की बात कर डाली. यह भी कहा कि हमलोग सूबे के सभी जिलों में घूम रहे हैं. उन्होंने कहा कि एक समय था जब गिरिडीह में हमारे विधायक हुआ करते थे. झारखंड में भी कई विधायक हुआ करते थे लेकिन हमलोगों की कमजोरी हुई, जिस कारण हमलोग गठबंधन में चल रहे हैं. अब हमारी ताकत बढ़ रही है. संगठन भी हमारा ग्रास रूट तक मजबूत करने में लगा है.

संगठन के कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष सतीश केडिया, अजय सिन्हा मंटू, प्रदेश महासचिव नरेश वर्मा, अशोक विश्वकर्मा, डॉ समीर राज चौधरी, महमूद अली खान, बलराम यादव, दिनेश विश्वकर्मा, अमित सिन्हा, ऋषिकेश मिश्रा, संतोष राय, आयुष सिन्हा समेत कई कांग्रेसी मौजूद थे. इनके द्वारा भी संगठन को कैसे मजबूत किया जाए इस पर चर्चा की गई.

बता दें कि गिरिडीह जिला कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था. इस जिले के अलग-अलग सीटों पर कांग्रेस के विधायक जीतते रहे लेकिन हालात अब वैसे नहीं रहे. इस बार के विधानसभा चुनाव में तो जिले की एक भी सीट कांग्रेस के पाले में नहीं गई थी. हालांकि कार्यकर्त्ता और नेता अब स्थिति सुधरने का दावा कर रहे हैं.

ओकनी तालाब से जलकुंभी हटाने का दिया आदेश

हजारीबाग : हाई कोर्ट से लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी में ओकनी तालाब की लड़ाई लड़ रहे हजारीबाग पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट को एक बड़ी कामयाबी बुधवार को मिली। जब ट्रिब्यूनल का फैसला ओकनी तालाब को कब्जा से बचाने में लगे लोगों के पक्ष में आ गया। जस्टिस बी अमित स्थालेकर जुडिशल मेंबर और एक्सपर्ट मेंबर में अरुण कुमार वर्मा ने सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। ओकनी तालाब का रुका पड़ा काम पूरा कराने का आदेश भी दिया गया है। तीन जुलाई 2026 तक कार्य पूरा कराने का आदेश दिया गया है। तालाब को दूषित होने, इसमें कचरा फेंकने वाले समेत पानी को गंदा करने वाले को चिन्हित कर करने का भी आदेश डीसी को दिया है। एनजीटी के इस आदेश के बाद एक करोड़ 39 लाख का काम शुरू होने का मार्ग फिर प्रशस्त हो सकेगा। मामले में संस्था की ओर से प्रिंसिपल सेक्रेटरी झारखंड, हजारीबाग मुनिसिपल कारपोरेशन, डीसी हजारीबाग और मिनिस्ट्री ऑफ फारेस्ट को पार्टी बनाया गया था। जिसमें कार्ययोजना का भी जिक्र हुआ कि नाली का पानी तालाब में न गिरे, कचरा और गंदगी तालाब के मेढ़ पर जमा न हो, चारों ओर डस्टबीन की व्यवस्था हो, तालाब का फेंसिंग हो, जानवरों का प्रवेश बंद हो और पानी में मौजूद गंदगी और जलकुंभी हटाये।

धनबाद में हिंसक हुआ दो गुटों का झगड़ा, पुलिस छावनी बना इलाका

संवाददाता

धनबाद : जिले के झरिया थाना क्षेत्र में बच्चों की लड़ाई को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए. जिसके बाद दोनों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी की घटना शुरू हो गई. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है.

मामूली कहासुनी में शुरू हुआ विवाद

दरअसल, बनियाहिर मैदान में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो गुटों के बीच आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. जिसके बाद दोनों ओर से जमकर पथराव और लाठी-डंडे चले. इस घटना में दोनों पक्ष के करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिसमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी का इलाज झरिया के निजी अस्पताल में चल रहा है.

पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया

घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी जिसके बाद सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम, झरिया अंचल सीओ सहित सिंदरी अनुमंडल की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण किया. इस दौरान पुलिस को भीड़ को शांत करने के लिए हल्का बल का भी प्रयोग करना पड़ा. पुलिस ने मामले को शांत करने के लिए लोगों को खदेड़ा. फिलहाल क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है.

पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की

पुलिस और शांति समिति के सदस्य दोनों पक्षों से बातचीत कर हालात को सामान्य करने में जुटे हैं. पूरे इलाके में पुलिस नजर बनाए हुए है. किसी भी घटना से निपटने के लिए पुलिस बल क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है. घटना को लेकर एक गुट का कहना है कि एक युवक बाल कटवाने गया था. इसी दौरान कुछ युवकों ने अचानक हमला कर दिया. दूसरे गुट के युवकों के कारण माहौल बिगड़ा है. इसमें दावा किया गया है कि हमला करने वाले लोग हाल ही में दिल्ली से अपने रिश्तेदारों के पास आए हैं और बांग्लादेशी हैं.

हमले में एक दर्जन लोग घायल

वहीं, दूसरे गुट का कहना है कि कुछ बच्चे बनियाहिर ग्राउंड में खेल रहे थे, जहां किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया जिससे मामला बिगड़ गया. जिसके बाद दोनों ओर से पथराव और लाठी डंडे चलने लगे. इस घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं दोनों ओर से हमले में घर और ऑटो भी क्षतिग्रस्त हुए हैं.

न्यूज IN ब्रीफ

सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज : देर रात्री सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान सीएचसी बरहेट, सीएचसी बोरियो और सदर अस्पताल साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया। जिले में सीएस के रुप में दोबारा से पदस्थापित किए गए डॉ रामदेव पासवान अपने पुराने अंदाज में लौटे। देर रात 2 बजकर 22 मिनट में बरहेट सीएचसी का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए।स्थिति बेहद लापरवाह थी। सीएचसी बोरियो में करीबन 2 बजकर 51 मिनट में पहुंचे, जहां एक भी डॉक्टर या कर्मी ड्यूटी पर तैनात नहीं दिखे। सीएस डॉ पासवान ने खुद अस्पताल का गेट खोला और निरीक्षण किया। बोरियो सीएचसी की वर्तमान स्थिति को देखकर सीएस बहुत ही नाराज दिखे। इसके बाद करीबन 3 बजकर 33 मिनट में साहिबगंज सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। वहां की भी स्थिति बेहद लापरवाह से भरी मिली। डॉ रामदेव पासवान पदभार लेंगे उसके बाद स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने में जुट जाएंगे।

गुरु पूर्णिमा पर योग के साथ हवन पूजन

साहिबगंज : गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पतंजलि योग समिति के सदस्यों ने योग भवन में पूजा अर्चना की।वहीं योग सदस्यों योगाभ्यास किया।भारत स्वाभिमान प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पतंजलि से जुड़े सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ देवी देवताओं का आह्वान किया योग गुरु बाबा रामदेव जी व आचार्य बालकृष्ण के बताए हुए मार्ग पर कर चलकर श्रेष्ठ भारत समृद्ध भारत बनानें का संकल्प लिया।मौके पर प्रभारी दीपक कुमार,कोषाध्यक्ष,राजीव पांडेगणेश तिवारी,गुरुदेव साह,राज किशोर,रंजीत वर्मा,गौतम साह,प्रमोद शर्मा,अशोक पंडित,दिनेश राय सहित पतंजलि परिवार के सभी साधक सामिल हुए।वहीं दूसरी और रेलवे जनरल इंस्टीच्यूट प्रांगण में पतंजलि जिला प्रभारी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गुरु पूर्णिमा पर योग व हवन किया।

गंगा का विधिवत पूजन कर की मां गंगा की भव्य आरती

साहिबगंज : गुरू पूर्णिमा के अवसर पर मां गंगा सेवा समिति साहेबगंज की ओर से हर माह की तरह इस माह भी पूर्णिमा तिथि के अवसर पर जारी साहीबगंज के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम,सीढ़ी घाट,गंगा तट पर पुरोहित धनेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती की गई।पूरा गंगा तट भक्तिमय माहौल के साथ हर हर गंगे,जय मां गंगे,हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।तत्पश्चात भक्तजनों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।मौके पर मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय,शशि कुमार सुमन,अमित केशरी,संदीप अवस्थी,आभाष ओझा,आयुष ओझा,सिद्धार्थ कुमार के आलवे दर्जनों श्रद्धालु एवं महिला उपस्थित थे।

ग्रामीणों को मालिकाना हक के लिए हुई सुनवाई

बरही : डीवीसी से विस्थापित और श्रीनगर में पुनर्वासित ग्रामीणों को मालिकाना हक दिलाने के लिए सुनवाई हुई। मालिकाना हक की मांग को लेकर श्रीनगर के ग्रामीण 70 वर्षों से आवाज उठा रहे हैं। गुरुवार को ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने के लिए विधायक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में हजारीबाग के डीएफओ मौन प्रकाश और डीवीसी की टीम ने गांव का दौरा किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रामीणों ने बताया कि 70 वर्ष पूर्व उन्हें श्रीनगर गांव में पुनर्वासित किया गया। इतने वर्षों से ये लोग यहां रहकर अपनी आजीविका चला रहे हैं। लेकिन अब तक उन्हें पुनर्वासित जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला है।ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद वन विभाग और कोलकाता से आयी डीवीसी की टीम ने गांव का सर्वेक्षण किया और हक दिलाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया मोतीलाल चौधरी, फोरेस्टर अमर आनंद सरस्वती, विस्थापित परिवारों की ओर से अध्यक्ष अर्जुन यादव, बासुदेव यादव, इंद्रदेव यादव आदि मौजूद थे।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

चौपारण : नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक गंधर्व गौरव और प्राचार्या रीना पांडे ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने शीर्ष 10 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जबकि अगले 20 मेधावी विद्यार्थियों को रजत पदक और प्रशस्ति पत्र देकर उनके प्रयासों की सराहना की गई। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की अथक कड़ी मेहनत और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन को दिया।समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई रोक, वकील कपिल सिब्बल फिल्म देखकर देंगे हरी झंडी

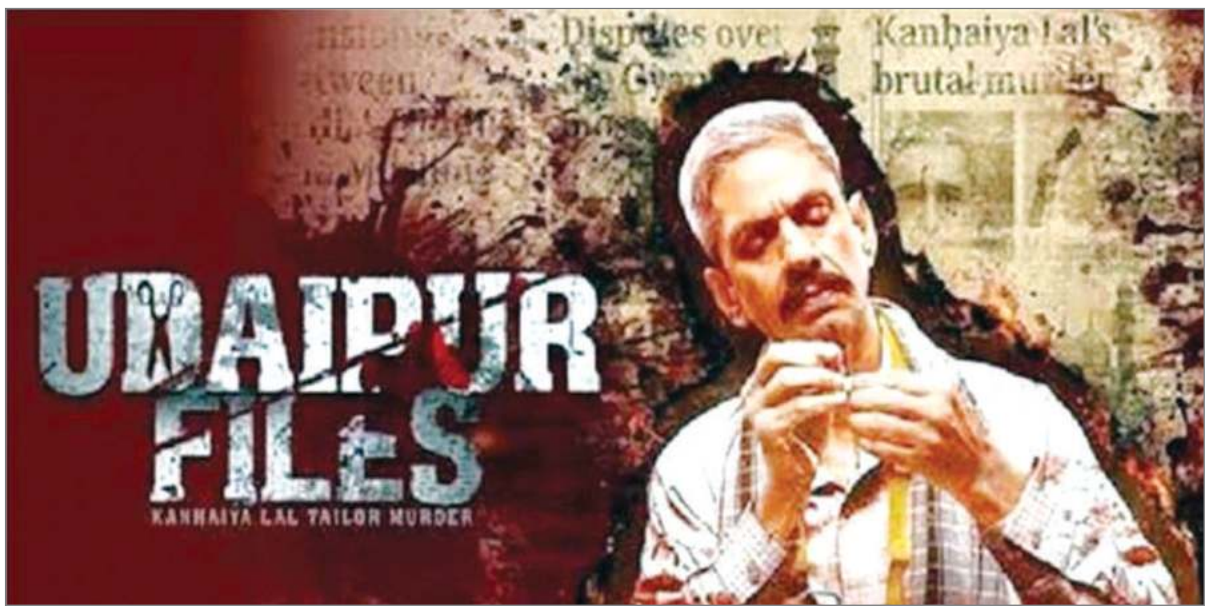

फिल्म उदयपुर फाइल्स देखने का प्लान बना रहे दर्शकों के लिए एक बैड न्यूज है। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कन्हैया लाल पर बनी उदयपुर फाइल्स पर रोक लगा दी गई है। इस रोक का कारण सामूहिक भावनाओं को आहत करना और सांप्रदायिक सौहार्द के बिगाड़ने तथा देश में अशांति फैलने की संभावनाएं हैं। यह फैसला एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया गया, जिसमें फिल्म पर संवेदनशील धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया गया है।

कोर्ट का फैसलाः मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस अनीश दयाल की खंडपीठ ने यह स्पष्ट किया कि भारत सरकार के पास सिनेमेटोग्राफ एक्ट, 1952 की धारा 6 के तहत यह अधिकार है कि वह किसी फिल्म की रिलीज को रोक सकती है, यदि उसे लगता है कि वह सार्वजनिक शांति, नैतिकता या सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार इस मामले पर कोई निर्णय नहीं लेती, तब तक उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर अंतरिम रोक जारी रहेगी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद से यह भी कहा कि वह फिल्म के सर्टिफिकेट को चुनौती देने के लिए सरकार को औपचारिक अर्जी दे। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह इस विवाद पर सात दिनों के भीतर उचित निर्णय ले और अदालत को उसकी जानकारी दे।

क्या है फिल्म का विवाद? : फिल्म उदयपुर फाइल्स वर्ष 2022 में राजस्थान के उदयपुर में हुए दर्जी कन्हैयालाल की हत्या की वास्तविक घटना पर आधारित है। 26 जून 2025 को फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसके बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने फिल्म के खिलाफ याचिका दायर की।

याचिका में यह दावा किया गया है कि फिल्म के कई दृश्य एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं और इससे समाज में धार्मिक तनाव और कट्टरता को बढ़ावा मिल सकता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इस तरह की फिल्में संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के विरुद्ध जाती हैं। गुरुवार को मामले में सेंसर बोर्ड ने तर्क दिया कि फिल्म से सभी विवादित सीन हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने इस पर निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल को फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग कराई जाए ताकि वह स्वयं जांच सकें कि फिल्म में आपत्तिजनक सामग्री शेष है या नहीं।

बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी चित्रांगदा सिंह

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी। निर्देशक अपूर्व लाखिया ने बताया है कि वॉर ड्रामा फिल्म बैटल ऑफ गलवान में चित्रांगदा सिंह को सलमान खान के अपोज़िट फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। अपूर्व लाखिया ने कहा, चित्रांगदा सिंह की प्रतिभा और स्क्रीन प्रेजेंस इस किरदार के लिए एकदम परफेक्ट है।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा से चित्रांगदा के साथ काम करना चाहता था, खासकर जब मैंने उन्हें हजारों ख़्वाहिशें ऐसी और बॉब बिस्वास में देखा। हमें बेहद खुशी है कि वह बैटल ऑफ गलवान की कास्ट का हिस्सा बन रही हैं। वह अपने किरदार में एक अनोखा मेल लेकर आती हैं। एक तरफ फेमिनाइन साइड और दूसरी तरफ मजबूती, जो सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत पर्सनेलिटी के साथ शानदार तालमेल बिठाएगी।

प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार अपूर्व लाखिया ऐसे चेहरे की तलाश में थे जो संघर्ष, भावुकता और नरमी को एक साथ बखूबी दिखा सके और चित्रांगदा सिंह ने ये सभी खूबियां सहजता से पेश कीं। लखिया उस वक्त खास तौर पर प्रभावित हुए जब उन्होंने इंडिया गेट पर खिंचवाई गई चित्रांगदा की कुछ तस्वीरें देखीं।

ट्रेडिशनल लुक में सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेकने पहुंची मानुषी छिल्लर, गणपति बप्पा के चरणों में हुई नतमस्तक

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मिस वर्ल्ड रह चुकीं मानुषी छिल्लर ने हाल ही में अपने दिन की शुरूआत आध्यात्मिक अंदाज में की। एक्ट्रेस मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने गणपति बाप्पा के चरणों में मत्था टेका और अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर से अब मानुषी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

सुबह-सवेरे मंदिर पहुंचीं मानुषी छिल्लर इस दौरान सादगी और भक्ति भाव में लिपटी नजर आईं। व्हाइट सूट के साथ पिंक दुपट्टा कैरी किए वह पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं और उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालू एक्ट्रेस को देख काफी एक्साइटड नजर आए और वह पैपराजी के लिए पोज देती नजर आईं। आध्यात्मिकता से जुड़ावः मानुषी छिल्लर कई बार यह बता चुकी हैं कि वे आध्यात्मिकता में विश्वास रखती हैं और जब भी किसी नए काम की शुरूआत करती हैं, तो पहले ईश्वर से आशीर्वाद लेना नहीं भूलतीं। सिद्धिविनायक मंदिर न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे भारत में विशेष धार्मिक आस्था का केंद्र है, और यहां पर कई बड़ी हस्तियां दर्शन करने आती हैं। आने वाले प्रोजेक्ट्स की तैयारीः हाल ही में मानुषी ने कुछ नए प्रोजेक्ट्स साइन किए हैं, जिनमें वह एक दमदार भूमिका निभाने वाली हैं। इससे पहले वे अक्षय कुमार के साथ फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में नजर आ चुकी हैं। भले ही फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन मानुषी के अभिनय की सराहना की गई थी।

खुशी कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर बोले वेदांग रैना- हमारा रिश्ता सच्चा और

एक्टर वेदांग रैना और एक्ट्रेस खुशी कपूर दोनों एक दूसरे के काफी करीब हैं। दोनों जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' में साथ काम कर चुके हैं। इसके बाद से ही दोनों काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिलती है। कहा जाता है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं की है और न ही साफ तौर पर मना किया है। इसी बीच अब वेदांग ने खुशी कपूर के साथ अपने रिश्ते पर बात की है।

हाल ही में एक बातचीत में वेदांग रैना ने खुशी कपूर को लेकर कहा- उसके साथ काम करना बहुत मजेदार और अच्छा रहा। हमारे बीच स्वाभाविक सहजता है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है, यह रिश्ता नए प्रोजेक्ट में दिखाई देता है।'

किसी ब्रांड का प्रचार करने के बारे में वेदांग ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा 'ऐसा इसलिए क्योंकि यह जरूरी है कि आप जिस ब्रांड के साथ काम करने जा रहे हैं वह प्रमाणिक होना चाहिए ताकि वह बता सके कि मैं कौन हूं। मैं प्रमाणिक जुड़ाव देखता हूं चाहे वह उनका संदेश हो या उनका मूल्य हो।'

वर्कफ्रंट पर वेदांग रैनाः जोया अख्तर की आर्चीज में डेब्यू करने के बाद वेदांग आलिया भट्ट के साथ 'जिगरा' में नजर आ चुके हैं। हालांकि, यह फिल्म खास कमाल नहीं दिखा पाई।

रश्मिका मंदाना को डेट करने की खबरों के बीच बोले विजय देवरकोंडा- 35 साल का हो गया

साउथ स्टार विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अक्सर अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। कई बार दोनों को एक साथ स्पॉट किया जा चुका है। हालांकि, अब तक उन्होंने अपने रिलेशनशिप की खबरों को कंफर्म नहीं किया है। इसी बीच अब पहली बार विजय देवरकोंडा ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है और अपना रिएक्शन दिया है।

वीडिया से बातचीत के दौरान विजय देवरकोंडा ने कहा, मैं 35 साल का हो गया हूं। मैं सिंगल नहीं हूं।

विजय ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक्टर होना थोड़ा अजीब होता है। एक तरफ आप चाहते हैं कि लोग आपके काम को देखें और उसकी तारीफ करें, लेकिन दूसरी तरफ आप चाहते हैं कि लोग आपकी निजी जिंदगी से दूर रहें और आपको अकेला छोड़ दें। मैं मजाक में कहा करता था कि काश मैं एक नकाब पहन सकता और मेरी जगह कोई और स्टार विजय देवरकोंडा बनकर लोगों के सामने आता और मैं बस शांति से एक्टिंग करता रहता। मैं एक्टिंग से प्यार करता हूं और उसी के लिए काम करता हूं।

हालांकि, बातचीत में विजय ने यह साफ नहीं किया कि वह किसे डेट कर रहे हैं। वहीं फैंस यही मान रहे हैं कि वह रश्मिका को ही डेट कर रहे हैं।

विजय देवरकोंडा के काम की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म किंगडम में नजर आएंगे। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें एक्टर का दमदार अवतार देखने को मिला था। इसके लिए रश्मिका मंदाना ने भी उनकी काफी तारीफ की थी।

फीफा रैंकिंग में छह स्थान फिसली भारतीय फुटबॉल टीम, 133वीं पायदान पर पहुंची

नई दिल्लीः भारतीय मेंस फुटबॉल टीम को इंटरनेशनल फेडरेशन फुटबॉल एसोसिएशन की रैंकिंग में छह स्थान का नुकसान हुआ है। टीम अब 133वें स्थान पर पहुंच गई है, जो पिछले नौ सालों में सबसे खराब रैंकिंग है। भारत को चार जून को थाईलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली में 0-2 से हार मिली थी। इसके बाद एशियन कप क्वॉलिफायर में हांगकांग ने भारत को 1-0 से हरा दिया।

इन खराब प्रदर्शन के चलते कोच मैनोलो मार्केज अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से नाराज चल रहे थे। उन्होंने एक हफ्ते पहले ही टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है, जो फरवरी 1996 में मिली थी।

जींस टॉप में रिया चक्रवर्ती का स्टाइलिश लुक, चेहरे पर काला चश्मा लगा कैमरे के सामने दिखाया स्वैग

रिया चक्रवर्ती हमेशा से ही अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल के दिनों में वह कुछ पब्लिक इवेंट्स और अवॉर्ड शोज में नजर आई हैं, जहां उनके फैशन सेंस की जमकर तारीफ हुई। रिया भले ही फिल्मों में कम नजर आ रही हों, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी मौजूदगी मजबूत बनी हुई है। वो अक्सर खुद से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में रिया ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा हैं।

लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रिया चक्रवर्ती ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लू जींस में काफी स्टाइलिश नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों में जहां रिया का ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है, वहीं वह अपने स्टाइलिश अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं। फैंस रिया की इन तस्वीरों पर कमेंट कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती ने 'सोनाली केबल', 'बैंक चोर', 'हाफ गर्लफ्रेंड', 'दोबाराः सी योर ईविल' और 'जलेबी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साल 2024 में रिया ने फिल्मों के अलावा नए प्रोजेक्ट्स में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने एक पॉडकास्ट शुरू किया और अपना खुद का फैशन ब्रांड 'चैप्टर 2' लॉन्च किया।

लॉर्ड्स के एमसीसी म्यूजियम में तेंदुलकर की पेंटिंग, सचिन बोले, मेरे लिए यह सम्मान का पल

एजेंसी/ लंदनः भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच की शुरूआत से पहले लॉर्ड्स के फेमस मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) म्यूजियम में क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की एक खास पेंटिंग का उद्घाटन किया गया। यह पेंटिंग आर्टिस्ट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने बनाई है, जो एक फोटो के आधार पर तैयार की गई है। यह फोटो उन्होंने सचिन के घर पर करीब 18 साल पहले ली थी। यह पेंटिंग इस साल के अंत तक एमसीसी म्यूजियम में रहेगी, इसके बाद इसे लॉर्ड्स के ऐतिहासिक पैवेलियन में लगाया जाएगा। तेंदुलकर ने इस अवसर पर कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।

1983 में जब भारत ने वर्ल्ड कप जीता था, तब मैंने पहली बार लॉर्ड्स को देखा था। मैंने हमारे कप्तान कपिल देव को ट्रॉफी उठाते देखा था और वहीं से मेरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई थी। अब जब मेरी पेंटिंग लॉर्ड्स के पवेलियन में लगी है, तो लगता है कि मेरी यात्रा अब पूरी हो गई है। अपने करियर को याद करता हूं, तो चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। यह पल बेहद खास है। यह पेंटिंग सचिन तेंदुलकर के लंबे और गौरवशाली करियर के लिए है।

इटली टी-20 वर्ल्ड कप के टिकट से एक जीत दूर, नीदरलैंड से होगा अगला मैच

एजेंसी/ नई दिल्लीः इटली 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में क्वॉलिफाई करने से एक जीत दूर है। आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप यूरोप रीजनल फाइनल में इटली ने स्कॉटलैंड को 12 रन से हराया। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। मेजबान भारत और श्रीलंका के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अमरीका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और कनाडा पहले ही पहुंच चुके हैं। इस टूनामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी, ऐसे में सात टीमों की जगह खाली है। इटली अब प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर है और अगर वह शुक्रवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ आखिरी मुकाबला जीत लेते हैं, तो वर्ल्ड कप में उनका स्थान पक्का हो जाएगा। अगर उन्हें इस मैच में करीबी हार भी मिलती है और जर्सी या स्कॉटलैंड अपना मैच बड़े अंतर से नहीं जीतते, तो इटली फिर भी क्वॉलिफाई कर जाएगा। इटली की कप्तानी जो बर्न्स कर रहे हैं। वह इटली से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 23 टेस्ट खेल चुके हैं। उन्होंने कहा, यह भावुक पल है। स्कॉटलैंड जैसी मजबूत टीम को हराना हमारे सभी खिलाडि?ों, स्टाफ और फेडरेशन के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम वर्ल्ड कप के एकदम करीब हैं। यह किसी सपने जैसा लग रहा है। उम्मीद है कि यह सिर्फ शुरूआत है।

डोप परीक्षण में विफल होने पर जैस्मीन कौर निलंबितः भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी जैस्मीन कौर को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है, क्योंकि उनके डोप परीक्षण में प्रतिबंधित पदार्थ की मौजूदगी का पता चला है। जैस्मीन का नाम अस्थायी निलंबन के तहत आने वाले एथलीटों की नवीनतम सूची में शामिल है, क्योंकि उनका परीक्षण टरबुटालाइन के लिए सकारात्मक आया था। टरबुटालाइन को एक उत्तेजक पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी प्रतिबंधों से निपटने को रूस तैयार, पुतिन के मंत्री की राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक, न करें यह भूल

एजेंसी/ मॉस्को: हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स समूह को लेकर 10 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि ब्रिक्स समूह की नीति डॉलर को कमजोर करना है। इतना ही नहीं, ट्रंप के टैरिफ की तीखी आलोचना के बाद अमरीकी सरकार ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। ट्रंप की धमकियों और लगातार ऐक्शन ने रूस को भडका दिया है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने गुरुवार को अमरीका को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि धमकी और दबाव की भाषा ब्रिक्स जैसे सहयोगी मंचों के साथ नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि रूस ब्रिक्स देशों की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ खड़ा रहेगा। रूस के उप विदेश मंत्री सर्देई रयाबकोब ने कहा कि धमकी और हेरफेर की भाषा, ब्रिक्स सदस्यों के साथ इस्तेमाल करने की भाषा नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमरीका ने ब्रिक्स की हालिया नीतियों और सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत और चीन के आर्थिक रुख को लेकर सख्त प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने यहां तक कहा कि ब्रिक्स में शामिल देशों को अमेरिकी से व्यापार करने पर अतिरिक्त टैरिफ झेलना पड़ सकता है।

रयाबकोव ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के बयानों और नीतियों में विरोधाभास है, जिससे रूस-अमरीका संबंधों को सामान्य करने की कोशिशें जटिल हो रही हैं। ट्रंप प्रशासन अपने बयानों और कार्रवाइयों में काफी विरोधाभासी है। इससे काम आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि हम लगातार और दृढ़ता से अमरीका के साथ संबंधों के सामान्यीकरण के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। रूस को प्रतिबंधों से निपटना आता है। रयाबकोव ने इंटरफैक्स एजेंसी को दिए बयान में कहा कि रूस संभावित अमरीकी प्रतिबंधों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि प्रतिबंधों का कैसे मुकाबला करना है।

छह राज्यों को एक हजार करोड़ फंड, केंद्र सरकार ने बाढ़ और भू-स्खलन प्रभावित राज्यों को मंजूर की राशि

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, केरल और उत्तराखंड जैसे बाढ़ और भू-स्खलन प्रभावित राज्यों के लिए 1,066.80 करोड़ रुपए की राशि जारी करने की मंजूरी दी है। छह बाढ़ प्रभावित राज्यों में से असम को 375.60 करोड़ रुपए, मणिपुर को 29.20 करोड़ रुपए, मेघालय को 30.40 करोड़ रुपए, मिजोरम को 22.80 करोड़ रुपए, केरल को 153.20 करोड़ रुपए और उत्तराखंड को 455.60 करोड़ रुपए राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से केंद्रीय हिस्से के रूप में दिए गए हैं। इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण ये राज्य प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मोदी सरकार हर परिस्थिति में राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस वर्ष, केंद्र ने 14 राज्यों को एसडीआरएफ से 6,166.00 करोड़ रुपए और 12 राज्यों को एनडीआरएफ से 1,988.91 करोड़ रुपए पहले ही जारी किए हैं। इसके अतिरिक्त, पांच राज्यों को एसडीएमएफ से 726.20 करोड़ रुपए और 02 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से 17.55 करोड़ रुपए भी जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार ने सभी बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने से प्रभावित राज्यों को आवश्यक एनडीआरएफ टीमों, सेना की टीमों और वायु सेना सहायता सहित सभी लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की है। मौजूदा मानसून में 21 राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में बचाव और राहत कार्यों के लिए 104 एनडीआरएफ टीमें तैनात की गई हैं। राज्यों के कल्याण के लिए केंद्र के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि मोदी सरकार सभी परिस्थितियों में राज्यों के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

बिल जमा हो या नहीं..,2 घंटे से अधिक डेड बॉडी नहीं रख पाएंगे प्राइवेट हॉस्पिटल, सरकार ने लागू किया नियम

दिसपुर : असम में अस्पतालों के लिए एक नया नियम आया है। बिल जमा हो या न हो प्राइवेट हॉस्पिटल 2 घंटे से ज्यादा समय तक अब डेड बॉडी नहीं रख पाएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम सरकार ने फैसला किया कि किसी भी निजी अस्पताल को मरीज के शव को 2 घंटे से अधिक समय तक रखने की अनुमति नहीं होगी, भले ही परिवार इलाज का बिल न चुका पाए।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि निजी अस्पतालों की ओर से मृतक मरीजों के शवों को रोककर नहीं रखा जाएगा। उन्हें मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने के 2 घंटे के भीतर शव सौंपने होंगे, चाहे भुगतान कितना भी लंबित क्यों न हो। इससे अधिक देरी होने पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार एक 247 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 104 स्थापित करेगी और परिवार इस नंबर पर शव न मिलने की सूचना दे सकेंगे।

उन्होंने कहा कि इस मामले की सूचना तुरंत जिला स्वास्थ्य अधिकारी, स्थानीय पुलिस और अस्पताल शिकायत प्रकोष्ठ को दी जाएगी। शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी को घटनास्थल का दौरा करना होगा। अगर शव को गलत तरीके से रखा गया है तो उसे उसके कब्जे से वापस लेना होगा और कानूनी कार्यवाही शुरू करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी स्थिति में दोषी अस्पतालों का लाइसेंस 3-6 महीने के लिए निलंबित किया जाएगा और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि अपराध दोहराने पर उनका पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द भी किया जा सकता है।

सावन शुरू: उज्जैन, ओंकारेश्वर, मेरठ और देवघर में उमड़े शिव भक्त

उज्जैन/खंडवा/देवघर : सावन मास के पहले दिन देशभर के शिव मंदिरों में भक्ति का उत्साह चरम पर है। उज्जैन, खंडवा और देवघर में लाखों श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए उमड़ पड़े हैं। मंदिरों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के मंदिर में सावन के पहले दिन विशेष भस्मारती की गई। सुबह तीन बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों की कतारें लग गईं, जो देर रात 11 बजे शयन आरती तक जारी रहेंगी। भगवान महाकाल का पंचामृत अभिषेक हुआ, और भांग, चंदन, सूखे मेवों व फूलों से उनका श्रृंगार किया गया। रजत मुकुट, शेषनाग और पुष्पमाला से सजे भगवान को मिष्ठान का भोग लगाया गया। जय महाकाल के नारों से उज्जैन नगरी गूंज उठी। मंदिर समिति और प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित चतुर्थ ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में भी सावन के पहले दिन हजारों श्रद्धालु पहुंचे। सुबह चार बजे से ही भक्तों ने मां नर्मदा में स्नान कर मन को पवित्र किया और बाबा ओंकार के दर्शन किए।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव दिनभर ब्रह्मांड में विचरण करते हैं, लेकिन रात में ओंकार पर्वत पर शयन करते हैं। इस कारण यहां शयन आरती का विशेष महत्व है। अनुमान है कि पहले दिन करीब 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। मंदिर परिसर भोलेनाथ के जयकारों से गूंज रहा है। प्रशासन ने दर्शन, पार्किंग और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सावन के पहले दिन से विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू हो गया। लाखों कांवड़िए सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर बाबा बैद्यनाथ को अर्पित करने पहुंचे। मंदिर को फूलों से सजाया गया, और बोल बम के नारों से माहौल भक्तिमय हो गया। श्री गणेश सत्संग मंडल, लिलवा हावड़ा के एक श्रद्धालु ने बताया कि उनकी 40 सदस्यीय टीम ने सुल्तानगंज से जल उठाकर जलाभिषेक किया। उन्होंने बिहार और झारखंड प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की, लेकिन भीड़ नियंत्रण के लिए और बेहतर प्रबंध की मांग की। मेला 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन श्रावण पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा। उत्तर प्रदेश के मेरठ में भी सावन के पहले दिन मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। भगवान शिव के भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर जल चढ़ाने और पूजा-अर्चना करने पहुंचे। सावन में सोमवार का व्रत और बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा का विशेष महत्व है। मंदिरों में भक्ति का माहौल है और श्रद्धालु भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं। सावन का यह पवित्र माह 30 दिनों तक चलेगा, और इस दौरान देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों का उत्साह इसी तरह बना रहेगा। प्रशासन ने सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि भक्त बिना किसी परेशानी के दर्शन और पूजा कर सकें।

उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से की -

जम्मू कश्मीर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद ममता बनर्जी का यह बयान आया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद राज्य में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए ऐसे कदम उठाने जरूरी हैं। गौरतलब है कि कोलकाता स्थित राज्य सचिवालय में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और ममता बनर्जी की मुलाकात हुई थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी।

ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अपना जुड़ाव दिखाते हुए कहा कि कश्मीर समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य की भूमि है और इस भूमि से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पर्यटकों को कश्मीर आना चाहिए। वहां डरने की कोई बात नहीं है। भारत सरकार को भी यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिएं कि ज्यादा से ज्यादा लोग वहां जा सकें। सीमा सुरक्षा केंद्र के अधीन है, इसलिए उन्हें जरूरी कदम उठाने चाहिएं।

जम्मू-कश्मीर की यात्रा करेंगी ममता बनर्जीः ममता बनर्जी ने अपनी जम्मू-कश्मीर की यात्रा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद उमर यहां आए और उन्होंने मुझे आमंत्रित किया। मैंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। अब मैं दुर्गा पूजा के बाद (जम्मू-कश्मीर) जाने की योजना बनाऊंगी।

ट्रेन सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे करेगा एआई का इस्तेमाल, डीएफसीसीआईएल के साथ समझौता किया

नई दिल्ली : रेलवे की सेवा दक्षता में सुधार करने और रोलिंग स्टॉक के रखरखाव को स्वचालित करने के लिए भारतीय रेलवे (आईआर) ने मशीन विजन बेस्ड इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस) की स्थापना के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमवीआईएस एक आधुनिक, एआई/एमएल-आधारित टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन है जो चलती ट्रेनों के अंडर-गियर की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरों को कैप्चर करता है और स्वचालित रूप से किसी भी लटके हुए, ढीले या लापता घटकों का पता लगाता है। यह सिस्टम खराबी का पता लगाने पर त्वरित प्रतिक्रिया और कार्रवाई के लिए रियल टाइम के अलर्ट भेजता है।

एमओयू पर औपचारिक रूप से रेलवे बोर्ड के निदेशक (परियोजना एवं विकास) सुमित कुमार और डीएफसीसीआईएल के जीजीएम (मैकेनिकल) जवाहर लाल ने रेल भवन नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए।

एमओयू के अंतर्गत डीएफसीसीआईएल चार एमवीआई इकाइयों की खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशन के लिए जिम्मेदार होगा। यह प्रणाली भारतीय रेलवे में पहली है। टेक्नोलॉजी के उपयोग से ट्रेन संचालन की सुरक्षा को बढ़ाने, मैनुअल निरीक्षण प्रयासों को कम करने और संभावित दुर्घटनाओं/सेवा व्यवधानों से बचने में मदद करने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय ने कहा, यह पहल रेलवे इकोसिस्टम के लिए आधुनिक और इंटेलिजेंट सिस्टम को पेश करने के आईआर के व्यापक उद्देश्य के साथ भी संरेखित है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर भविष्य के लिए तैयार रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में रेल सुरक्षा में डिजिटल परिवर्तन के लिए नई राह खोलेगी। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेलवे इस वित्त वर्ष के अंत तक 50,000 से अधिक नौकरियां देने के लिए भी तेजी से काम कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में रेलवे द्वारा 9,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) विभिन्न पदों को भरने के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान सक्रिय रूप से चला रहा है। नवंबर 2024 से आरआरबी ने सात विभिन्न भर्ती अधिसूचनाओं के लिए देश भर में 1.86 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की है।

15 जुलाई को मुंबई में खुलेगा, टेस्ला का पहला भारतीय एक्सपीरियंस सेंटर

नई दिल्ली : एलन मस्क के स्वामित्व वाली किफायती सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है, वहीं उनका दूसरा वेंचर, इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भी इसी महीने से देश में अपना परिचालन शुरू करने के करीब पहुंच रही है।

हालांकि, कंपनी फिलहाल देश में मैन्युफैक्चरिंग नहीं कर रही है, लेकिन वह 15 जुलाई को मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने वाली है। एक्सपीरियंस सेंटर कहे जाने वाले इस टेस्ला शोरूम को आर्थिक राजधानी में 4,000 वर्ग फुट के रिटेल स्पेस में बनाया गया है, जो शहर में अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल के फ्लैगशिप स्टोर के करीब है।

यह कदम टेस्ला की भारत में व्यापक विस्तार रणनीति का हिस्सा है। जून में, कंपनी ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में एक कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया था, जिसके वाहन सेवा केंद्र के रूप में काम करने की उम्मीद है। टेस्ला की अब भारत में चार कमर्शियल प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें पुणे में एक इंजीनियरिंग हब, बेंगलुरु में एक पंजीकृत कार्यालय और बीकेसी के पास एक अस्थायी कार्यालय शामिल है। टेस्ला इंडिया मोटर एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में अपने आगामी बीकेसी शोरूम के पास एक सर्विस सेंटर स्थापित करने के लिए 24,500 वर्ग फुट जगह लीज पर ली थी। यह कदम टेस्ला की भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में प्रवेश की योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है, हालांकि कंपनी का वर्तमान में देश में वाहनों का निर्माण करने का कोई इरादा नहीं है। प्रॉपर्टी डेटा विश्लेषण फर्म सीआरई मैट्रिक्स द्वारा प्राप्त रियल एस्टेट दस्तावेजों के अनुसार, टेस्ला ने लोढ़ा लॉजिस्टिक्स पार्क में जगह किराए पर लेने के लिए बेलिसिमो इन सिटी एफसी मुंबई वन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक लीज और लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता पांच साल के लिए है, जिसका शुरूआती मासिक किराया 37.53 लाख रुपए है। दस्तावेजों के अनुसार, लीज की पूरी अवधि के दौरान, टेस्ला कुल मिलाकर लगभग 25 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी, जिसमें 2.25 करोड़ रुपए की सुरक्षा जमा राशि भी शामिल है।

टेस्ला ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी वर्तमान रुचि केवल भारत में अपने वाहनों को बेचने में है।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने टेस्ला को लेकर पिछले महीने कहा था, वे भारत में विनिर्माण में रुचि नहीं रखते। उन्होंने आगे कहा कि टेस्ला भारत में केवल बिक्री के लिए शोरूम खोलने की योजना बना रही है। सरकार ने इलेक्ट्रिक कारों के क्षेत्र में वैश्विक निमार्ताओं से नए निवेश को सक्षम बनाने और भारत को ई-वाहनों के लिए एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में बढ़ावा देने के लिए अपनी दूरदर्शी ईवी योजना के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं।

भारत 2025 में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में होगा शामिल : रिपोर्ट

बेंगलुरु : भारत 2025 में खासकर प्रतिभा उपलब्धता के मामले में दुनिया के टॉप 10 टेक मार्केट में शामिल होगा, जिसमें देश के टॉप छह शहर पहले से ही एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तकनीकी प्रतिभा अधिग्रहण के लिए टॉप 10 की सूची में शामिल हैं। कोलियर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र एक ग्लोबल टेक टैलेंट हब के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जहां दुनिया के टॉप 10 स्थानों में से तीन भारत (बेंगलुरु), जापान (टोक्यो) और चीन (बीजिंग) में स्थित हैं।

कोलियर्स के इंडिया ऑफिस सर्विसेस मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित मेहरोत्रा ??ने कहा, भारत टेक टैलेंट का पावरहाउस है और ग्लोबल इनोवेशन इकोसिस्टम में एक की प्लेयर है, जिसे देश के टियर-1 और उभरते शहरों में कुशल प्रतिभा और रोजगार के अवसरों की उपलब्धता का समर्थन प्राप्त है। भारत के प्रमुख तकनीकी शहरों में एशिया प्रशांत क्षेत्र की कुल तकनीकी प्रतिभा का 69 प्रतिशत हिस्सा है। बेंगलुरु और हैदराबाद, जो इस क्षेत्र के सबसे बड़े प्रतिभा समूहों की मेजबानी करते हैं, टेक लीजिंग एक्टीविटी में अग्रणी बने हुए हैं और 2025 की पहली छमाही में पारंपरिक ऑफिस स्पेस की लगभग 50 प्रतिशत मांग को इन दोनों बाजारों द्वारा पूरा किया जाएगा।

सरकार 6जी टेक्नोलॉजी में अगली पीढ़ी के इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली : केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सरकार 6जी जैसी अगली पीढ़ी की संचार टेक्नोलॉजी को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने नई टेक्नोलॉजी के विकास के लिए एक रोडमैप की भी जरूरत बताई।

दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल के साथ भारत 6जी गठबंधन (बी6जीए) की प्रगति की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत 6जी गठबंधन को 6जी टेक्नोलॉजी में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रित, रणनीतिक और स्पष्ट रोडमैप तैयार करना चाहिए।

उन्होंने वैश्विक स्तर पर 6जी टेक्नोलॉजी में 10 प्रतिशत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक कार्यसमूह स्तर पर प्रगति की नियमित समीक्षा पर जोर दिया। उच्च-स्तरीय बातचीत के दौरान, गठबंधन ने वर्ष 2030 तक 6-जी में वैश्विक अग्रणी बनने की दिशा में भारत की प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम में कार्य समूह के अध्यक्षों द्वारा व्यापक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें कार्यान्वयन योग्य योजनाओं और प्रमुख तकनीकी प्रगति की रूपरेखा को दिखाया गया। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा, गठबंधन के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों ने रणनीतिक अपडेट, पहलों और कार्य योजनाओं पर व्यापक जानकारी साझा की। प्रस्तुतियों में स्वदेशी आरएएन तकनीक, ग्रामीण संपर्क के लिए बुद्धिमान और समावेशी नेटवर्क, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, स्मार्ट और टिकाऊ परिनियोजन जैसे क्षेत्रों में अंतर-क्षेत्रीय 6-जी अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति पर चर्चा की गई।

भारत 6-जी गठबंधन ने केंद्रीय मंत्री को पिछली समीक्षा के बाद से सरकार और उद्योग द्वारा की गई प्रमुख कार्रवाइयों के बारे में भी बताया। गठबंधन अब 80 सदस्य संगठनों के एक मजबूत नेटवर्क तक विस्तारित हो गया है, जिसमें 30 से अधिक स्टार्टअप शामिल हैं, जो स्वदेशी 6-जी इनोवेशन के लिए बढ़ती राष्ट्रीय गति को दर्शार्ता है।

सरकार ने मार्च 2023 में भारत 6जी विजन डॉक्यूमेंट का अनावरण किया था, जिसने छठी पीढ़ी (6जी) वायरलेस सिस्टम में भारत के नेतृत्व के लिए रणनीतिक आधार तैयार किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा ने किया पहान पुजारी व गुरूजनों को सम्मानित

सिमडेगा : गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा ने सभी मंडलों में समाज के अगुवाओं पहान पुजारी शिक्षक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया एवं गुरुपूर्णिमा की सुभकामनाएँ दी। करँगागुड़ी मंदिर के पुजारी महेश्वर दास को अंगवस्त्र देकर जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक २३ मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश रविकांत प्रधान सुधीर मांझी ने सम्मानित किया,सम्मानित करते हुए जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि आदि गुरु परमेश्वर शिव दक्षिणामूर्ति रूप में समस्त ऋषि मुनि को शिष्य के रूप शिव ज्ञान प्रदान किया था उनके स्मरण रखते हुए गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है।

बनदुर्गा मंदिर में जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मीडिया प्रभारी रवि गुप्ता दिनेश प्रसाद एवं बुलेश्वर प्रसाद द्वारा पहान संघ एवं शिशु मंदिर के गुरुजनों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया मौके पर शिशु मंदिर के भैया बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने कहा की गुरु पूर्णिमा सनातन धर्म संस्कृति है, सनातन संस्कृति में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं हमारे धर्म ग्रंथो में गुरु में गु का अर्थ अंधकार या अज्ञान और रू का अर्थ प्रकाश अर्थात अज्ञान को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार होता है गुरु की कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं।

इसके अलावा महामंत्री दिपक पुरी मुकेश श्रीवास्तव अनूप प्रसाद तुलसी साहु अनूप केशरी सुषमा मिश्रा माग्रेट बा रेणु पूरी अनिरुद्ध सिंह संभु भगत हंसा रानी रवि वर्मा रामविलास बड़ाईक संजय ठाकुर नरेंद्र बड़ाईक कृष्णा बड़ाईक बालमुकुंद सिंह संजय मिश्रा विशाल नायक तपेश्वर साहू रामचंद्र सहाय मुनेश्वर तिर्की दिलीप साहू ओमीन सिंह घनश्याम केसरी जयंती देवी शकुंतला देवी कृष्ण ठाकुर अशोक इंदवार सीताराम प्रसाद मनिंदर बिंझिया चिंतामणि कुमार मोतीलाल ओहदार सहित सभी मंडलों में कार्यकताओं ने पहान पुजारी शिक्षकों को सम्मानित किया।

टाटा की ट्रेनों से छह दिन में 11 किन्नर गिरफ्तार

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने अभियान चलाकर विभिन्न ट्रेनों से छह दिन में 11 किन्नर को पकड़ा है, जो रेलवे अदालत से जारी जुमार्ना राशि जमा कर रिहा हो गए। बताया जाता है कि, ट्रेन यात्रियों की शिकायत पर किन्नर के धर-पकड़ का अभियान शुरू हुआ है। आरपीएफ की सक्रियता बढ़ने पर किन्नर का समूह टाटानगर के बजाय अन्य छोटे स्टेशनों से ट्रेनों पर सवार हो रहें हैं ताकि आरपीएफ की कार्रवाई से बच सके।

झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन पर कर्ण सिंह गुट का कब्जा बरकरार

धनबाद : झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के चुनाव में कर्ण सिंह गुट का पूरी तरह से कब्जा बरकरार रहा। एक पद को छोड़ अध्यक्ष व महामंत्री सहित सभी पदों पर कर्ण सिंह के गुट के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद के लिए दावा ठोकने वाले जितेंद्र किंडो सहित उनके गुट के सभी प्रत्याशियों को हार का मुंह देखना पड़ा। संयुक्त महामंत्री के पांच पद में से एक पद पर निर्दलीय प्रत्याशी अजय कुमार सिंह ने जीत दर्ज की। बुधवार को हुए चुनाव में झारखंड सभी जिलों से 741 जवानों व हवलदारों ने वोटिंग में हिस्सा लिया था। बुधवार देर रात से गुरुवार सुबह तक चली गिनती के बाद मुख्य चुनाव पदाधिकारी राहुल कुमार यादव ने कर्ण कुमार सिंह को 70 मतों से विजयी घोषित किया।

अध्यक्ष पद की मतों की गिनती दोबारा की गई। कर्ण को 404, जितेंद्र को 334 और निर्दलीय प्रत्याशी राम अवतार सिंह को शून्य मत मिले जबकि तीन मत रद्द हुए। इसी तरह महामंत्री के एकल पद पर रमेश उरांव ने 472 वोट लाकर जितेंद्र गुट के विनोद कुमार पांडेय को 206 मतों के बड़े अंतर से पटखनी दे दी। संगठन महामंत्री पद पर दिलचस्प मुकाबले में अमित कुमार तिवारी ने देवचंद मुंडा से 25 वोटों से जीत हासिल की। कोषाध्यक्ष पद पर स्टीफन सोरेन ने गुलाबचंद महतो को 100 मतों से हराया। जीत के बाद ढोल, नगाड़े और पटाखों के साथ विजयी प्रत्याशियों ने पुलिस लाइन में जश्न मनाया। -- जीतने वाले प्रत्याशियों को मिले कितने वोट उपाध्यक्ष : सबीलउर रहमान खां 378, संजय राम 344, मृत्युंजय कुमार 376, परमेश्वर महतो 359 व प्रदीप टोप्पो 402, संयुक्त महामंत्री सच्चिदानंद राय 346, उपेंद्रनाथ मिश्र 381, अविनाश कुमार राय 351, गब्रियल सोरेन 406 व अजय कुमार सिंह 391 तथा सहायक महामंत्री के लिए नंद किशोर शर्मा 385, निर्भय राज 392, जुगल मुंडा 409, उपेंद्र कुमार पांडेय 405 और सरफराज खां 359 वोट मिले।

विस्थापित मोर्चा ने थाना प्रभारी से की मुलाकात

चरही : रैयत विस्थापित मोर्चा तापिन साउथ इकाई के अध्यक्ष सह झामुमो केन्द्रीय सदस्य रामकिशोर मुर्मू, सचिव मन्नू टुडू के साथ मोर्चा के दर्जनों प्रतिनिधिमंडल ने चरही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल से औपचारिक मुलाकात किया। मुलाकात के दौरान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त रूप से बुके एवं शॉल देकर थाना प्रभारी का स्वागत किया। मोर्चा अध्यक्ष रामकिशोर मुर्मू ने थाना प्रभारी को क्षेत्र में शांति, अपराध मुक्त तथा कानून व्यवस्था बनाने में पुलिस को सहयोग करने की बात कही। इस पर थाना प्रभारी ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में पुलिस का सहयोग पब्लिक करेगा तो अवश्य ही क्षेत्र अपराध मुक्त होगा।

इस मौके पर लखीराम मांझी, आनंद मरांडी, गणेश मांझी, बढ़ो मांझी, जयराम मांझी, कार्तिक हेंब्रोम, संजय मुर्मू आदि मौजूद थे।

जहर खाने से हैदरनगर के युवक की मौत

मेदिनीनगर : घरेलू विवाद क्षुब्ध होकर हैदरनगर के युवक ने जहर खा लिया। इससे उसकी मौत हो गई है। हैदरनगर थाना क्षेत्र के कोशियारा गांव निवासी और वर्तमान में पाटन थाना क्षेत्र के सगुनी गांव निवासी 45 वर्षीय उदय पासवान की मौत से परिजन शोक में डूब गए हैं। एमआरएमसीएच टीओपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। टीओपी प्रभारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की मां गंधजली देवी का फर्द ब्यान कलमबद्ध कर उसे थाना में भेज दिया गया है। मृतक की मां के अनुसार पत्नी के साथ घरेलू विवाद एवं मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उदय कुमार ने बुधवार की दोपहर में जहर खा लिया।इससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई बाद में उपस्थित लोगों के सहयोग से उसे एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई।

डीआइजी ने हुसैनाबाद एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण, कहा

जनता का भरोसा जीतें पुलिस अधिकारी

पुलिस के प्रति नकारात्मक सोच को बदले लोग, सरेंडर नीति का लाभ उठाएं : डीआइजी

संवाददाता

हुसैनाबाद : गुरुवार को प्रमंडलीय पुलिस उप महानिरीक्षक नौशाद आलम ने हुसैनाबाद अनुमण्डल पुलिस कार्यालय का आचौक निरीक्षण किया ,इस दौरान उन्होंने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि पलामू प्रमंडल उग्रवाद ग्रस्त जिला रहा हैं। मेरा प्रयास हैं की

पूरे प्रमण्डल में पुलिस और आम जनता के प्रति नकारात्मक सोच को बदलते हुए उसे सकारात्मक परिणाम दे।उन्होंने कहा की बिहार से सटा हुआ यह अनुमण्डल हैं निश्चित तौर पर पुलिसिंग व्यवस्था में व्यवहारिक रूप से सुधार की आवश्यकता हैं। उन्होंने समाज से भटके हुए व लोग या किसी कारण वश उग्रवाद बनने पर मजबूर होने वालों को शंदेश दिया कि , कहा पहले व अब में अंतर हैं ऐसे लोगो के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजना चलाई जा रही हैं उसका लाभ उठाएं,पुलिस भी आपके भाई बन्धु हैं हमेसा आपको मददगार बनेगा।उन्होंने सरेंडर व पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाले सरकारी लाभों को दिलाने व खुला जेल में रहने की बात कही।आगे उन्होंने एसडीपीओ आईपीएस एस मोहम्मद याकूब एवं पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी समेत सभी पुलिस अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिया,साथ ही पब्लिक व पुलिस के साथ मधुर संबंध बनाने व व्यवहारिक रूप मदद करने व फरियादी को हर हाल में मदद करने,तथा अपराध व अपराधियों के लिए शख़्त पुलिस सिस्टम अपने का भी गुरु मंत्र दिया,मौके हुसैनाबाद प्रभारी सोनू कुमार चौधरी,महिला प्रभारी पार्वती कुमारी,हैदरनगर प्रभारी अफजल अंसारी,मोहम्मद गंज,देवरी ओपी बबलू कुमार,दंगवार ओपी सोनू कुमार गुप्ता आदि कई पुलिस के अधिकारी मौजूद थे।

भारत के लिए 2 पदक लेकर लौटी सुजाता भकत का हुआ भव्य स्वागत

बिनय मिश्रा

रांची : अमेरिका के अल्बाना प्रांत के बर्मिंघम शहर में 27 जून से 6 जुलाई तक आयोजित वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स में भारत के लिए दो पदक जीतकर लौटी सुजाता भकत का रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया, सुजाता भकत ने 84 प्लस किलोग्राम वर्ग में बेंच प्रेस में कांस्य पदक एवं 84 किलोग्राम पावर लिफ्टिंग में रजत पदक प्राप्त कर बड़ी सफलता अर्जित की। इसके पहले भी कई स्वर्ण और रजत पदक जीत चुकी सुजाता भकत ने बताया कि कुछ दिन पहले ही उनकी माता जी का देहांत हुआ था जिस कारण से एक बार पीछे हट रही थी पर अपने बच्चों और दोस्तों के प्रोत्साहन पर उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और सफलता

अर्जित की,उनके स्वागत में मुख्य रूप से समाजसेवी गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर लक्ष्मी शर्मा, पावरलिफ्टर किरण मिश्रा, समाजसेवी पवन जायसवाल, हेल्थ कोच अलीशा प्रिया, पूर्णिमा, शिल्पी, पूर्व कोच आकाश, शैली सहित काफी खेलप्रेमी उपस्थित थे।

महूदण्ड में ओपी प्रभारी पर आदिवासी महिला ने मारपीट करने का लगया आरोप

डीआईजी से मुलाकात कर की शिकायत,न्याय व मदद की लगाई गुहार

संवाददाता

हुसैनाबाद : अनुमण्डल के अतिग्रवाद व सुदूरवर्ती क्षेत्र महूदण्ड की एक आदिवासी महिला ने ओपी प्रभारी कमलेश प्रसाद सिन्हा पर जमीन विवाद में मारपीट करने का आरोप लगायी हैं। उक्त महिला ने गुरुवार को हुसैनाबाद अनुमण्डल पंहुच कर एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब एवं हुसैनाबाद में पंहुचे प्रमंडलीय पुलिस उप महानिरीक्षक नौशाद आलम से की हैं। जँहा एक तरफ डीआईजी, पुलिस अधिकारियों को जनता के प्रति मधुर सबन्ध बनाने व उग्रवाद पर सरेंडर आदि तमाम योजनाओं से जनता को जोड़ने आदि प्रमुख बातो पर पुलिसिंग व्यवस्था सुधार

हेतु गुरुमंत्र दे रहे थे।तभी महूदण्ड की एक महिला सुनीता देवी पति अर्जुन परहिया ने महूदण्ड के ओपी प्रभारी कमलेश प्रसाद सिन्हा के द्वारा मारपीट के आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत की,पत्र में कहा गया हैं हमलोग खेत मे घर बना रहे थे इसी बीच ओपी प्रभारी श्री सिन्हा आये व गली गलौज किया तथा मेरे पति के साथ मार पीट की,जब मैं पंहुची तो मुझे ओपी में आने व भला बुरा बोला ।महिला ने डीआईजी से साफ तौर पर कहा कि ओपी प्रभारी का आम जनता से अच्छा व्यवहार नही हैं वह क्षेत्र आदिवासी व सुदूरवर्ती हैं।डीआईजी साहब ने दिया मानवता का परिचय,फरियाद लगाने आई महिला से कहा कि हमलोग भी आप ही के भाई भतीजा हैं आपको न्याय जरूर मिलेगा उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारी को मामले को देखने व महिला को न्याय दिलाने की बात कही एवं इसे घर जाने के लिए गाड़ी भाड़ा के लिए पैसा दिए।

विनम्रता, सेवाभाव व सुलभ जर्लापण प्राथमिकताः डीसी

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा एवं पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुग द्वारा संयुक्त रूप से बी.एड. कॉलेज प्रांगण में कल मेला उद्घाटन के पश्चात शुक्रवार से शुरू हो रहे श्रावणी मेला को लेकर प्रतिनियुक्त सभी दण्डाधिकारी, अधिकारी एवं बाहर से आए पुलिस बल के अधिकारियों, दंडाधिकारियों की सामूहिक ब्रीफिंग का आयोजन किया गया।

ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि विनम्रता व सेवाभाव के साथ श्रावणी मेला हेतु पूरी तरह सजग रहे, क्योंकि श्रावणी मेला के दौरान खासकर रविवार और सोमवारी के दिन सर्वाधिक भीड़ होती है। ऐसे में श्रावणी मेला के कुल चार सोमवारी को इतनी बड़ी तादाद में देवघर आने वाले कांवरियों की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण जैसी चुनौतियों का सामना बिना सजगता के नहीं किया जा सकता है। साथ हीं पूरे ड्रेस कोड में अनुशासन में रहते हुए अपना कर्त्तव्यों का निर्वहन करें और अपने का स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आगे उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त सभी कर्मी अपने जगह

का निरीक्षण कर लें कि कहीं कोई समस्या तो नहीं है। आप सभी का यह ध्येय होना चाहिये कि जितना हो सके श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण करायें, ताकि कतार लगातार आगे बढ़ते रहे। साथ हीं उपायुक्त ने कहा कि यह हम सभी के लिए जरूरी है कि हम सभी पूरी सजगता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें; ताकि दूसरे राज्यों से यहां आने वाले लोग हमारे राज्य की एक अच्छी छवि लेकर यहां से अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें।

इसके अलावे ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुग ने कहा कि मेला में प्रतिनियुक्त बाहर से आए सभी दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षाकर्मी यहां के माहौल से परिचित हो जायें, ताकि उन्हें भीड़ नियंत्रण करने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। सारे ओ0पी0 को श्रावणी मेला हेतु पहले से हीं तैयार रहने के निर्देश दे दिया गया है। साथ उन्होंने कहा कि सभी ओपी एवं यातायात ओपी के प्रभारी डीएसपी रैंक के ऑफिसर होंगे एवं उन सभी का यह दायित्व होगा कि वे यह देखें कि उनके निर्धारित क्षेत्र में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इसके अलावा बाबा मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी श्री रवि कुमार ने मेला के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों एवं रुटलाइन व होल्डिंग पॉइंट में किए जाने वाले कार्यो और महत्वपूर्ण बिंदुओं से सभी दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराया।

मौके पर उप विकास आयुक्त पियुष सिन्हा, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, सिविल सर्जन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, ट्रैफिक डीएसपी, जिला स्तर के अधिकारी एवं मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, अधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

श्रावणी मेले में पहली बार किया गया ड्रोन शो का आयोजन

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 की भव्यता और दिव्यता के अनुरूप श्रद्धालुओं को कई नए और अनोखे अनुभव भी प्राप्त होंगे। इस कड़ी गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की उपस्थिति में शिवलोक परिसर में पहली बार ड्रोन शो का आयोजन किया गया। साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम 08 बजे के बाद आकाश में देखने को मिले, जिसकी सभी ने जमकर तारीफ की। इसके अलावा ड्रोन शो के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ मंदिर से जुड़ी विभिन्न पौराणिक महत्व, श्रावणी मेला एवं ज्योतिर्लिंग से जुड़ी जानकारी को प्रदर्शित किया गया। साथ ही शिवलोक परिसर में करीब 20 से 25 मिनट का ड्रोन शो का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मेमू ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान

जमशेदपुर : टाटानगर राउरकेला मेमू समेत अन्य लोकल ट्रेनों की परिचालन स्थिति से यात्री परेशान है। चक्रधरपुर मंडल और ओडिशा-बंगाल मार्ग की लोकल ट्रेनें जहां भर रूक जाती है। यात्री संगठन सोशल मीडिया के माध्यम रेल अधिकारियों को ट्रेन परिचालन स्थिति से अवगत कराते रहते हैं। लेकिन ध्यान नहीं दिया जाता है। डेली पैसेंजर समय से ड्यूटी या छात्र कॉलेज व ट्यूशन नहीं पहुंच पाते हैं। ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों में आक्रोश भड़क रहा है, जो हंगामे का रुप ले सकता है।

अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच के लिए वीडियो कॉलिंग की जाएगी : डीसी

संवाददाता

दुमका : राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 को लेकर बासुकिनाथ धाम में गुरुवार को श्रावणी मेला हेतु प्रतिनियुक्त सभी दण्डाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा,उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने ब्रीफिंग किया। ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए संथाल परगना प्रमंडल केपुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि बासुकीनाथ आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को सुगमता से पूजा कराना हम सभी का दायित्व है।कहा कि सभी पुलिस के जवान अपने ड्यूटी पर निश्चित रूप से उपस्थित रहें।जब तक आपके सहयोगी आपके स्थान पर नहीं आ जाते हैं तब तक अपना स्थान नहीं छोड़ें।

इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने मेला

को और भी वृहद करने का कार्य किया है। मेला को सफल बनाने के लिए ही हम सब आज यहां एकत्रित हुए हैं।श्रावणी मेला के दौरान देश-विदेश से श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचते हैं और इन श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक दर्शन कराना ही हमारी सफलता है। श्रद्धालु सुगमतापूर्वक जलार्पण कर सकें, उन्हें हर जरूरी सुविधा मिले, यही हमारा और राज्य सरकार संकल्प और इसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मेला को सफल बनाने के लिए कई नए प्रयोग भी किए गए हैं लेकिन हमारी प्राथमिकता श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराना होगा। टीम भावना से कार्य करने की जरूरत है। श्रद्धालु यहां आने के उपरांत कैसा संदेश लेकर अपने घर को जाते हैं, यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हमारी व्यवस्था, हमारा बर्ताव ही राज्य की बेहतर छवि लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेगा। हम सभी को पूरी ईमानदारी एवं तत्परता से कार्य करने की जरूरत है। पूरे मेला की प्रतिष्ठा हम सभी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से सहजता के साथ बर्ताव करें। उन्होंने कहा कि जब तक आपके कर्तव्य स्थल पर आपके सहयोगी ना पहुंचे, अपने स्थान को ना छोड़ें। विधि व्यवस्था में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोमवार और मंगलवार को श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए विशेष रुप से ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि इन दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होती है। अन्य दिनों में भी सतर्क रहें क्योंकि यह संख्या कब बढ़ जाए इसकी जानकारी नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी बिना सूचना के अनुपस्थित नहीं रहेंगे।कई बार छोटी-छोटी समस्या बड़ी समस्या का रुप ले लेती है और स्थिति पूरी तरह विपरीत हो जाती है।उन्होंने कहा कि हर छोटी समस्याओं को तुरंत निष्पादित करें ताकि ऐसी परिस्थिति उत्पन्न ही ना हो।उन्होंने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने प्रतिनियुक्ति स्थान पर रहे अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर अनुपस्थित पाए जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जाँच हेतु रैंडम वीडियो कॉलिंग की जाएगी। इस माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित कर्मी अपने कार्यस्थल पर उपस्थित हैं अथवा नहीं।

पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर निश्चित रूप से उपस्थित रहें तथा पूरी चौकसी, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी का निर्वहन करें।उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि वे यहां से एक सकारात्मक अनुभव लेकर जाएं और बाबा बासुकीनाथ धाम की श्रद्धा, सेवा एवं व्यवस्था का संदेश दूर-दूर तक जाए।पुलिस अधीक्षक ने समस्त बल को निर्देशित किया कि कोई भी लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और सभी अधिकारी मेले के दौरान जनसहयोग एवं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।